जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 64278/96 वर्षः28 अंकः 315 दिनांकः21-03-2024 गुरूवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठः4 वडोदरा M

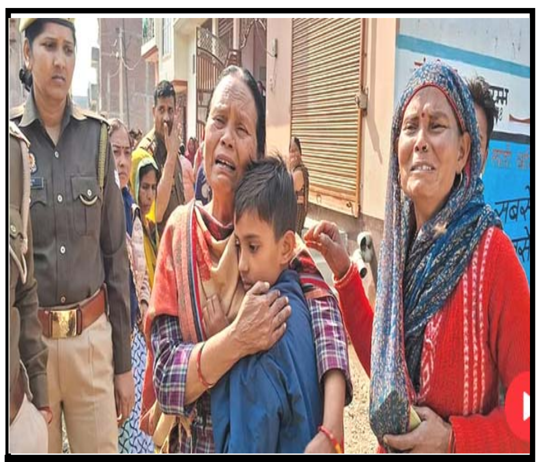

बदायूं में मंगलवार को बाबा कॉलोनी निवासी विनोद ठाकुर के दो बेटों आयुष (13) और अहान (6) की हत्या कर दी गई थी। उनके घर के सामने सैलून चलाने वाले सखानू निवासी साजिद ने वारदात को अंजाम दिया। उसने उनके तीसरे पुत्र पीयूष को चाकू मारकर घायल कर दिया।

बॉलीवुड से हॉलीवुड अभिनेत्री बनीं प्रियंका चोपड़ा और निक जोनास राम लला के दर्शन के लिए अयोध्या में हैं। उनके साथ उनकी बेटी मालती मैरी भी थीं। तीनों को सुरक्षा घेरे में अयोध्या हवाई अड्डे पर उनकी कार तक ले जाया गया। जिसके बाद उन्होंने राम लला के दर्शन किए।

लोकसभा चुनाव को लेकर सट्टा बाजार ने जारी किया आकलन

मप्र, छत्तीसगढ़, गुजरात, दिल्ली, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में होगा कांग्रेस का सूपड़ा साफ

400 पार नहीं जाएगी भाजपा

-भाजपा को मिलेगी 331 सीट तो कांग्रेस को मिलेगी सिर्फ 43 सीटें, राजस्थान में भाजपा को मिलेगी 23 सीट

नई दिल्ली/भोपाल/रायपुर(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव को लेकर बुधवार से देश के 21 राज्यों की 102 लोकसभा सीटों के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। इन 102 सीटों में तमिलनाडु की 39, राजस्थान की 12 और मध्य प्रदेश की 6 सीटें शामिल हैं। इसके लिए चुनाव आयोग ने नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 19 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। इस चुनाव में इंडिया अलायंस केंद्र में सरकार बनाने और भाजपा 400 प्लस सीटें जीतने का दावा कर रही है। इन सबके बीच देश में सट्टा बाजार भी गर्म है। हालांकि उसने दोनों ही के दावों को नकार दिया है। सट्टा बाजार के जानकार कहते हैं कि भाजपा एक तरफा जीतेगी, लेकिन 543 में से 331 सीटें ही खाते में आएगी। वहीं सरकार बनाने का दावा कर रही कांग्रेस 43 सीट पर सिमटेगी। इससे पहले 9 मार्च को सट्टा बाजार ने भाजपा को 332 सीटें मिलने का दावा किया था।

सट्टा बाजार का दावा है कि मप्र, छत्तीसगढ़, गुजरात, दिल्ली, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो जाएगा। मप्र में 2019 में भाजपा ने 29 में से 28 सीटें जीती थी। इस बार सभी 29 सीटों को जीतने का दावा किया जा रहा है। वहीं छत्तीसगढ़ में पिछले चुनाव में 2 सीटें बस्तर और कोरबा जीतने वाली कांग्रेस इस बार जीरो पर रहेगी। वहीं भाजपा सभी 11 सीटों पर जीत दर्ज करेगी। फिलहाल कांग्रेस ने अभी 6 सीटों पर ही अपने प्रत्याशी घोषित किए हैं।

इन राज्यों में ये स्थिति

नाम ना छापने की शर्त पर सट्टा बाजार से जुड़े एक शख्स ने बताया, कि छत्तीसगढ़ के अलावा भाजपा को गुजरात में 26 सीट, राजस्थान में 25-27 सीट, मध्य प्रदेश में 29 सीट, उत्तराखंड में पांच, दिल्ली में सात और हिमाचल प्रदेश में चार सीट मिल रही है। वहीं सट्टा बाजार भाजपा को छत्तीसगढ़ 60-80 पैसे, राजस्थान में एक रुपए, गुजरात में 40-50 पैसे, दिल्ली में 50-60 पैसे और उत्तर प्रदेश में 1 रुपए का भाव दे रहा है।

इस तरह काम करता है सट्टा बाजार

लोगों का चुनावों के रुझान और परिणाम में दिलचस्पी देखते हुए सटोरिये और दलाल सक्रिय हुए और सोशल मीडिया प्लेटफार्म का इस्तेमाल करके पूरा नेटवर्क बनाया। सट्?टा बाजार से जुड़े लोग दावा करते है, कि चुनाव का सटीक अनुमान बनाने के लिए वे ग्राउंड रिपोर्ट पर भी काम करते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर एनालिसिस कर बाजार में रुझान बताते हैं। कांग्रेस और भाजपा के सीनियर नेता भी सट्टा बाजार की जानकारी को रखकर अपनी रणनीति बनाते है। विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के सीनियर नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने प्रेस कान्फ्रेंस कर इस बात का खुलासा किया था। तब उन्होंने कई राज्यों में सरकार बनाने का दावा किया था। सीनियर नेता का दावा हकीकत में अधूरा रह गया था। बाजार के रुझान के विपरीत चुनाव का परिणाम आया था।

यूपी में बसपा को लगा तगड़ा झटका

सांसद दानिश अली ने थामा कांग्रेस का हाथ

अमरोहा (ईएमएस)। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर यूपी में बहुजन समाज पार्टी और जम्मू-कश्मीर में भाजपा को बड़ा झटका लगा है। यूपी के अमरोहा से बसपा के सांसद दानिश अली बुधवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। वहीं जम्मू-कश्मीर के भाजपा नेता लाल सिंह ने भी कांग्रेस का हाथ थाम लिया। दोनों को ही दिल्ली में पवन खेड़ा ने पार्टी में शामिल कराया। उधर, अमरोहा लोकसभा सीट पर कांग्रेस को लेकर सभी की नजरें लगी हुई हैं। अब तक बसपा और भाजपा ने अपने प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की है। कांग्रेस अभी तक किसी उम्मीदवार का नाम फाइनल नहीं कर सकी है। इसी बीच बुधवार को सांसद दानिश अली ने कांग्रेस के दिल्ली मुख्यालय पर सदस्यता ग्रहण कर ली। इसके साथ ही उनके प्रत्याशी बनाए जाने की चर्चाएं जोर पकड़ने लगी हैं।

बता दें कि 2019 में सांसद दानिश अली गठबंधन के तहत बसपा से चुनाव लड़े। यहां उन्होंने जीत हासिल की थी। 2014 के लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस के प्रति उनका प्रेम लगातार बढ़ा था। जिसके बाद नौ दिसंबर 2023 को बसपा ने उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया था। तब कयास लगाए जा रहे थे कि वह कांग्रेस से प्रत्याशी हो सकते हैं। इस बीच वह कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में राहुल गांधी के साथ उनकी कार में नजर आए। वहीं, लगातार कांग्रेस के प्रति बढ़ रही सक्रियता को देखते हुए पार्टी के प्रदेश महासचिव ने लोकसभा चुनाव में दावेदारी जताई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को लगाई फटकार, कहा बार-बार सप्लीमेंट्री चार्जशीट गलत प्रैक्टिस

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय द्वारा बार-बार सप्लीमेंट्री चार्जशीट करने की निंदा की। कोर्ट ने कहा कि जांच एजेंसी इसलिए ऐसा कर रही है, ताकि मामले में ट्रायल शुरू न हो पाए और आरोपी को जमानत न मिल सके। कोर्ट ने ईडी से कहा कि इस तरह की प्रैक्टिस गलत है। ऐसा करके किसी आरोपी को अनिश्चितकाल के लिए जेल में नहीं रख सकते।

कोर्ट ने साथ ही कहा कि इस मामले में शख्स 18 महीने से जेल में है। इससे हमें परेशानी हो रही है। किसी मामले में हम इस मुद्दे को उठाएंगे। जब आप किसी आरोपी को गिरफ्तार करते हैं तो मुकदमा शुरू करना जरूरी होता है। अदालत ने दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की कैद का जिक्र किया, जिन्हें फरवरी 2023 में शराब नीति मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया था। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने यह टिप्पणी झारखंड के अवैध खनन मामले से जुड़े आरोपी प्रेम प्रकाश द्वारा दायर जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए की। प्रकाश पर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का सहयोगी होने का आरोप है।

बार-बार चार्जशीट फाइल नहीं कर सकते

मामले में ईडी की तरफ से सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू पेश हुए थे। जस्टिस खन्ना ने उनसे कहा कि डिफॉल्ट बेल का मकसद है कि जांच पूरी होने तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया जाए। आप यह नहीं कह सकते कि जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक मुकदमा शुरू नहीं होगा। आ, ताकि शख्स को बिना ट्रायल के जेल में रहने के लिए मजबूर होना पड़े।

फाइनल चार्जशीट 90 दिन के अंदर दायर हो

जस्टिस खन्ना ने आगे कहा कि जब आप किसी आरोपी को गिरफ्तार करते हैं तो मुकदमा शुरू किया जाना चाहिए। कानून के मुताबिक, अगर जांच पूरी नहीं हुई है तो जेल में बंद आरोपी डिफॉल्ट जमानत पाने का हकदार है। नहीं तो आपको फाइनल चार्जशीट सीआरपीसी या कोड ऑफ क्रिमिनल प्रोसीजर द्वारा निर्धारित समय सीमा के अंदर दायर करनी चाहिए। यह समय सीमा 90 दिन तक होती है।

आरोपी बिना ट्रायल शुरू हुए 18 महीने से सलाखों के अंदर

ईडी ने पिछले महीने अवैध खनन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में प्रेम प्रकाश गिरफ्तार किया था। प्रकाश को पिछले साल जनवरी में झारखंड हाईकोर्ट ने जमानत देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था, जिसमें कहा गया है कि उन्होंने 18 महीने जेल में बिताए हैं और फाइनल चार्जशीट दायर नहीं हुई है। ऐसे में उन्हें जमानत मिलनी चाहिए। हालांकि, ईडी का कहना था कि आरोपी को रिहा किए जाने पर सबूतों या गवाहों से छेड़छाड़ हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट ईडी की इस बात से सहमत नहीं हुई। कोर्ट ने कहा कि अगर आरोपी (प्रकाश) ऐसा कुछ भी करता है तो आप हमारे पास आएं। लेकिन इस वजह से 18 महीने तक सलाखों के पीछे रखना उचित नहीं है।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति वाले कानून पर केंद्र का जवाब, कहा-

ये जरूरी नहीं कि आयोग तभी स्वतंत्र होगा, जब पैनल में सीजेआई हो

नई दिल्ली (ईएमएस)। मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति वाले नए कानूनों को लेकर बुधवार को केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर किया है। केंद्र सरकार ने कहा कि यह दलील गलत है कि आयोग की स्वतंत्रता तभी होगी, जब सिलेक्शन पैनल में सीजेआई या कोई न्यायिक व्यक्ति जुड़े। इलेक्शन कमीशन एक स्वतंत्र संस्था है। इस याचिका का मकसद सिर्फ राजनीतिक विवाद को खड़ा करना है।

सुप्रीम कोर्ट नए कानूनों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। ये याचिका कांग्रेस कार्यकर्ता जया ठाकुर ने दाखिल की थी। पीठ ने इन याचिकाओं पर 12 जनवरी को सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था।

सलेक्शन पैनल में सीजेआई को शामिल करना जरूरी

2 मार्च 2023 को मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। कोर्ट ने आदेश दिया कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति एक पैनल करेगा। जिसमें प्रधानमंत्री, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और सीजेआई शामिल होंगे। इससे पहले सिर्फ केंद्र सरकार इनका चयन करती थी। 5 सदस्यीय बेंच ने कहा कि ये कमेटी नामों की सिफारिश राष्ट्रपति को करेगी। इसके बाद राष्ट्रपति मुहर लगाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में साफ कहा था कि यह प्रोसेस तब तक लागू रहेगी, जब तक संसद चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर कोई कानून नहीं बना लेती। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ केंद्र सरकार पिछले साल मानसून सत्र में मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों बिल, 2023 लेकर आई। इस बिल के तहत चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति तीन सदस्यों का पैनल करेगा। इसमें प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष का नेता और एक कैबिनेट मंत्री शामिल होंगे। बिल में सीजेआई को बाहर कर दिया गया था। दिसंबर में शीतकालीन सत्र के दौरान यह बिल दोनों सदनों में पास हो गया।

नए कानून पर विपक्ष ने आपत्ति दर्ज कराई थी

विपक्षी दलों का कहना था कि सरकार सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के आदेश के खिलाफ बिल लाकर उसे कमजोर कर रही है। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने मार्च 2023 में एक आदेश में कहा था कि सीईसी की नियुक्ति प्रधानमंत्री, चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया और विपक्ष के नेता की सलाह पर राष्ट्रपति करें।

नया कानून सुप्रीम कोर्ट के फैसले का उल्लंघन

जया ठाकुर की दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि धारा 7 और 8 स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के सिद्धांत का उल्लंघन है क्योंकि यह चुनाव आयोग के सदस्यों की नियुक्ति के लिए स्वतंत्र तंत्र प्रदान नहीं करता है। याचिका में यह कहा भी गया है कि यह कानून सुप्रीम कोर्ट के मार्च 2023 के फैसले को पलटने के लिए बनाया गया, जिसने सीईसी और ईसी को एकतरफा नियुक्त करने की केंद्र सरकार की शक्तियां छीन ली थीं। यह वो प्रथा है जो देश की आजादी के बाद से चली आ रही है।

लोकसभा चुनावः 102 सीटों के लिए अधिसूचना जारी, नामांकन की प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली(ईएमएस)। निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव की पूरी तैयारी कर ली है। इसके लिए पहले चरण के चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरु कर दी है। 102 सीटों के लिए अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। 19 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के पहले चरण में मतदान होगा। राष्ट्रपति की तरफ से निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 27 मार्च है। इस चरण में 17 राज्यों और चार केंद्र शासित प्रदेशों की 102 लोकसभा सीटों पर चुनाव होंगे। बता दें कि पहले चरण में तमिलनाडु की 29, राजस्थान की 12, उत्तर प्रदेश की 8, मध्य प्रदेश की 6, उत्तराखंड, असम और महाराष्ट्र की 5-5, बिहार की 4, पश्चिम बंगाल की 3, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय की 2-2 और छत्तीसगढ़, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, जम्मू-कश्मीर, लक्षद्वीप और पुदुचेरी में की 1-1 सीटों पर मतदान होगा।

पहले चरण में जिन राज्यों की लोकसभा सीटों के लिए मतदान होने हैं, उन पर प्रत्याशियों के नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। बता दें कि निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया है, जिसके तहत देश भर में सात चरणों में मतदान संपन्न होंगे। बता दें कि पहले चरण के लिए 19 अप्रैल, दूसरे चरण के लिए 26 अप्रैल, तीसरे चरण के लिए 7 मई, चौथे चरण के लिए 13 मई, पांचवें चरण के लिए 20 मई, छठें चरण के लिए 25 मई और सातवें चरण के लिए 1 जून को वोट डाले जाएंगे। नतीजे 4 जून को आएंगे।

निर्वाचन आयोग ने कहा है कि वह निष्पक्ष, स्वतंत्र और सुरक्षित लोकसभा चुनाव आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध है। पहले चरण के लिए 27 मार्च तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे। हालांकि बिहार में पहले चरण में जिन लोकसभा सीट के लिए मतदान होना है, उनके लिए नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख एक त्योहार की वजह से बढ़ाकर 28 मार्च की गई है। बिहार की 40 में से चार लोकसभा सीट पर मतदान प्रथम चरण में होगा। नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख 30 मार्च है, वहीं बिहार में प्रथम चरण की चार सीट के लिए नामांकन वापसी की प्रक्रिया दो अप्रैल तक जारी रहेगी। देश में 18वीं लोकसभा के लिए 19 अप्रैल को चुनाव शुरू होंगे और एक जून तक सात चरणों में मतदान होगा। मतगणना चार जून को होगी।

ब्रज में 7 लाख भक्त होली खेलने पहुंचे

मथुरा (ईएमएस)। ब्रज में लड्डूमार और लट्ठमार होली के बाद बुधवार को रंगभरी एकादशी पर होली की धूम रही। सुबह से 16 किमी परिक्रमा मार्ग पर भक्तों की भीड़ रही। भक्त पंचकोसी परिक्रमा करते हुए रंग-गुलाल उड़ाते रहे । करीब 7 लाख भक्तों ने पंचकोसी परिक्रमा की। वहीं, भगवान बांके बिहारी निज मंदिर से निकलकर जगमोहन (आंगन) में विराजमान हुए। यहां चांदी के सिंहासन पर विराजमान होकर भगवान ने चांदी की पिचकारी से होली खेली। यहां मंदिर के पुजारी ने भक्तों पर प्रसादी रंग, अबीर, गुलाल डाला। मंदिर में 1000 किलो टेसू के फूलों से रंग बनाया गया। इसके अलावा फूलों से बना प्राकृतिक गुलाल भी मंगाया गया।

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में लोकसभा के चुनाव

नई दिल्ली (ईएमएस)। क्या सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में लोकसभा के चुनाव होंगे। इसकी मांग डेरेक ओ ब्रायन ने की है। जिस तरह से प्रधानमंत्री मोदी ने दो चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की है। संवैधानिक संस्थाओं पर सरकार का कब्जा है।इसको निशाना बनाते हुए उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में चुनाव कराने की मांग कर दी है। चुनाव की अधिसूचना जारी होते ही चुनाव आयोग ने केंद्र सरकार के इशारे पर अधिकारियों के ट्रांसफर करना शुरू कर दिए। डेरेक के अनुसार चुनाव आयोग का दफ्तर भाजपा का दफ्तर बन गया है। चुनाव आयोग अब संवैधानिक संस्था नहीं रही। सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को लेकर याचिका लंबित है। ऐसी स्थिति में सुप्रीम कोर्ट को अपनी निगरानी में चुनाव कराने चाहिए।चुनाव आयोग की ऐसी स्थिति होगी, यह किसी ने सोचा भी नहीं था। प्रधानमंत्री के खिलाफ आचार संहिता के उल्लंघन की चार शिकायतें चुनाव आयोग को की गई है। लेकिन चुनाव आयोग ने अभी तक किसी पर भी भाजपा या प्रधानमंत्री से जवाब नहीं मांगा,ना ही कोई कार्रवाई की है। इससे चुनाव आयोग की निष्पक्षता प्रभावित हुई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूटान यात्रा स्थगित

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 21-22 मार्च की भूटान यात्रा वहां के खराब मौसम के कारण स्थगित कर दी गई है। विदेश मंत्रालय की तरफ से बताया गया है कि दौरे की नयी तारीखों को तय करने का काम जारी है।

बीजेपी विधायक जय प्रकाश पटेल कांग्रेस में शामिल

रांची (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी विधायक जय प्रकाश पटेल ने कांग्रेस का हाथ थाम लिया है। वे बुधवार को दिल्ली स्थिति कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी में शामिल हुए। इस दौरान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम, गुलाम अहमद मीर, पवन खेड़ा मौजूद थे।

पटेल ने कहा कि वह अपने पिता और पूर्व सांसद टेक लाल महतो के सपने को पूरा करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वह एनडीए में अपने पिता की विचारधारा को खोजने में असमर्थ रहे और अब उन्होंने राज्य में इंडिया ब्लॉक को मजबूत करने की ठानी है। उन्होंने कहा कि झारखंड ने सभी 14 लोकसभा सीटें इंडिया ब्लॉक को देने का फैसला कर लिया है। जय पटेल ने कहा, मैं किसी लालच या पद के लिए नहीं बल्कि विचारधारा और राज्य के लिए अपने पिता के सपनों को पूरा करने के लिए कांग्रेस में शामिल हुआ हूं। आगामी चुनाव में पटेल को कांग्रेस हजारीबाग से लोकसभा का टिकट दे सकती है, जो किसी भी पार्टी के टिकट पर जीत सुनिश्चित करने में अब तक सक्षम रहे हैं।

पूरे देश में डिजिटल समावेशन के लिए यूए दिवस पर भाषानेट पोर्टल होगा लॉन्च

नई दिल्ली (ईएमएस)। नेशनल इंटरनेट एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनआईएक्सआई) को आगामी यूनिवर्सल एक्सेप्टेंस (यूए) दिवस के लिए भाषानेट पोर्टल के लॉन्च की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है, जो 21 मार्च, 2024 को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में होगा। यह एनआईएक्सआई और इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के बीच आयोजित दूसरा कार्यक्रम होगा, जो यूए को बढ़ावा देने और पूरे देश में डिजिटल समावेशन को आगे बढ़ाने के लिए उनकी संयुक्त प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

यह उल्लेखनीय है कि इंटरनेट कॉर्पोरेशन फॉर असाइन्ड नेम्स एंड नंबर्स (आईसीएएनएन) और इंटरनेट गवर्नेंस डिवीजन, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार सक्रिय रूप से यूए दिवस का समर्थन कर रहे हैं। कार्यक्रम का विषय, भाषानेटः यूनिवर्सल स्वीकृति पर जोर, यह सुनिश्चित करने के लिए एनआईएक्सआई के समर्पण पर प्रकाश डालता है कि व्यक्ति, भाषा या लिपि की परवाह किए बिना, डिजिटल दुनिया में पूरी तरह से भाग ले सकते हैं। यूए दिवस के माध्यम से, एनआईएक्सआई और इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय का लक्ष्य हितधारकों को एकजुट करना और आज के डिजिटल परिदृश्य में यूए तत्परता के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित वक्ताओं के नेतृत्व में मुख्य भाषण, पैनल चर्चा और तकनीकी कार्यशालाओं सहित आकर्षक सत्र शामिल होंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति जेलेंस्की से बात की

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की से टेलीफोन पर बात की।

दोनों राजनेताओं ने विभिन्न क्षेत्रों में भारत-यूक्रेन साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

वर्तमान में जारी रूस-यूक्रेन संघर्ष पर चर्चा करते हुए, प्रधानमंत्री ने भारत के जन-केंद्रित दृष्टिकोण को दोहराया तथा आगे बढ़ने के रास्ते के रूप में बातचीत और कूटनीति का आह्वान किया।

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत दोनों पक्षों के बीच सभी मुद्दों के शीघ्र और शांतिपूर्ण समाधान के सभी प्रयासों का समर्थन करता है। उन्होंने आगे कहा कि भारत शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करने के लिए अपनी क्षमता के अनुसार सब कुछ करना जारी रखेगा। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने यूक्रेन के लोगों के लिए भारत की निरंतर मानवीय सहायता की सराहना की। दोनों राजनेताओं ने संपर्क में बने रहने पर सहमति व्यक्त की।

बदायूं डबल मर्डरः आरोपी साजिद के एनकाउंटर की होगी मजिस्ट्रियल जांच

-डीएम ने सिटी मजिस्ट्रेट से जांच कर 15 दिन में मांगी रिपोर्ट

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के बदायूं में दो मासूम बच्चों की हत्या के बाद पुलिस ने वारदात के तीन घंटे के अंदर ही आरोपी साजिद को एनकाउंटर में मार गिराया था। डीएम मनोज कुमार ने एनकाउंटर की मजिस्ट्रेट जांच के लिए आदेश दिए हैं। साथ ही डीएम ने सिटी मजिस्ट्रेट से जांच कर 15 दिन में जांच रिपोर्ट मांगी है। डबल मर्डर में नामजद साजिद के भाई जावेद का अब तक कोई पता नहीं चला है। उसे पकड़ने के लिए पुलिस की चार टीमें लगी हुई हैं। जानकरी के मुताबिक मुठभेड़ में साजिद को तीन गोलियां लगी थी। दो गोली उसके सीने में लगी हैं और एक गोली उसके पेट में साइड में लगी है।

बता दें कि 19 मार्च की शाम को मंडी समिति पुलिस चौकी के पास बाबा कॉलोनी में विनोद कुमार के दो बेटों आयुष (13) और अहान (6) की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी गई। उनके मकान के सामने हेयर सैलून चलाने वाले साजिद ने अपने साथी जावेद के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया।

5 हजार उधार लेने गया था साजिद

जानकारी के मुताबिक आरोपी साजिद अपनी पत्नी की बीमारी का बहाना बनाकर 5 हजार रुपये उधार लेने मृतक बच्चों की मां संगीता के पास गया था। जबकि उसकी पत्नी पूरी तरह से ठीक है। न तो वो अस्पताल में भर्ती है और ना ही गर्भवती है। वह पिछले 15 दिनों से अपने मायके में रह रही है।

हत्या की जानकारी पत्नी को बुधवार सुबह हुई

साजिद की पत्नी पत्नी सना ने बताया कि उसकी साजिद से बीते बुधवार बात हुई थी। क्योंकि उसके पास फोन नहीं था और उसकी मां के फोन में बैलेंस नहीं था। साजिद ने मासूम बच्चों को क्यों मारा उसे नहीं पता। इन हत्याओं के बारे उससे सुबह पता चला। वहीं साजिद की सास मिस्कीन का कहना है कि साजिद ने यह बहुत गलत काम किया है। इससे उनकी बेटी की जिंदगी खराब हो गई है।

10 महीना में 38 फ़ीसदी घट गया विदेशी निवेश

मुंबई (ईएमएस)। पिछले 10 माह में भारत का विदेशी निवेश लगातार घटता चला जा रहा है। पिछले 10 महीना के दौरान देश में 1.27 लाख करोड रुपए का शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भारत आया है। 1 साल पहले इसी अवधि में यह 2.5 लाख करोड रुपए था। पिछले वर्ष की तुलना में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में लगभग 38 फ़ीसदी की कमी आई है।

इसी बीच भारत से विदेश में निवेश करने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। रिजर्व बैंक ने मंगलवार को जो बुलेटिन जारी किया है। उसके अनुसार भारतीय कंपनियों ने विदेशों में 83000 करोड रुपए का निवेश किया है। भारतीय कंपनियों का विदेश में निवेश लगातार बढ़ रहा है। वहीं भारत में विदेशी निवेश कम हो रहा है। रिजर्व बैंक इसको लेकर चिंतित है। रिजर्व बैंक का मानना है, कि वैश्विक मंदी के कारण भारत में विदेशी निवेश घट रहा है।

अमेरिकी वीजा के लिए 22 मार्च तक भारतीय करा सकेंगे पंजीचन

वाशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिका में विदेशी कामगारों के लिए वित्त वर्ष 2025 के वास्ते सबसे अधिक मांग वाले एच-1बी वीजा के लिए प्रारंभिक पंजीकरण 22 मार्च को पूर्वी समयानुसार अपराह्न 12 बजे खत्म हो जाएगा। विज्ञप्ति के अनुसार, गैर-आप्रवासी कामगार के लिए आवेदन फॉर्म आई-129 और प्रीमियम सेवा के लिए आवेदन फॉर्म आई-907 अब यूएससीआईएस के ऑनलाइन खाते पर उपलब्ध है। एच-1बी वीजा एक गैर-आप्रवासी वीजा है जो अमेरिकी कंपनियों को विदेशी कामगारों को विशेष व्यवसायों में नियुक्त करने की अनुमति देता है जिनके लिए सैद्धांतिक या तकनीकी विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। प्रौद्योगिकी कंपनियां भारत और चीन जैसे देशों से हर साल हजारों कर्मचारियों को नियुक्त करने के लिए इस नीति पर निर्भर हैं। अमेरिकी नागरिकता व आव्रजन सेवाओं (यूएससीआईएस) ने सोमवार को बताया कि इस अवधि के दौरान संभावित आवेदकों तथा कानूनी प्रतिनिधियों को चयन प्रक्रिया के लिए प्रत्येक लाभार्थी का पंजीकरण करने और पंजीकरण शुल्क का भुगतान करने के लिए उसके एक ऑनलाइन खाते का उपयोग करना होगा। यूएससीआईएस 1 अप्रैल से एच-1बी कैप याचिकाओं के लिए फॉर्म की ऑनलाइन फाइलिंग स्वीकार करना शुरू कर देगा। यूएससीआईएस ने कहा, हम घोषणा करेंगे कि नॉन-कैप एच-1बी याचिकाओं की ऑनलाइन फाइलिंग कब उपलब्ध होगी।रिपोर्ट के 2022 में कुल 308,613 पंजीकरण हुए, जिनमें से 131,924 आवेदनों को आगे की प्रक्रिया के लिए चुना गया। 2023 पंजीकरण की संख्या बढ़कर 483,927 हो गई, लेकिन आवेदनों के चयन में कमी आई। साल 2023 में 127,600 आवेदनों का चयन किया गया। 2024 में पंजीकरण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जो 780,884 तक पहुंच गई, जबकि चयनित आवेदनों की संख्या 188,400 हो गई।

बिहार में शिक्षक भर्ती परीक्षा रद्द

पटना (ईएमएस)। बिहार लोक सेवा आयोग ने तीसरे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा को रद्द कर दिया है। बीपीएससी की ओर से इसके लिए नोटिस जारी कर दी गई है। बीपीएससी ने लिखा कि आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) द्वारा लिखित सूचना दी गई है कि 15 मार्च को दो पालियों में ली गई शिक्षक भर्ती परीक्षा के प्रश्न-पत्र परीक्षा के पूर्व ही संगठित गिरोह के पास पहुंच गये थे। आर्थिक अपराध इकाई द्वारा विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर अग्रतर अनुसंधान एवम् विधि सम्मत कार्रवाई की जा रही है। पेपरलीक मामले में बीपीएससी ने ईओयू से मानक साक्ष्य की मांग की गयी थी। इसके बाद ईओयू ने पत्राचार के माध्यम से सूचना दिया गया कि अनुसंधान के क्रम में किसी भी प्रकार की सूचना व मुहरबंद इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस किसी कार्यालय या इकाई के साथ नियमानुसार साझा नहीं किया जा सकता है। बीपीएससी ने कहा कि जांच के बाद अभ्यर्थियों के व्यापक हित को देखते हुये, कदाचार मुक्त एवम् पारदर्शिता के साथ परीक्षाओं को आयोजित करने की आयोग की प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए 15 मार्च को ली गई दोनों पालियों की परीक्षा को रद्द किया जाता है।

पप्पू यादव की पार्टी का कांग्रेस में विलय

नई दिल्ली(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव से पहले बिहार की राजनीति में उथल-पुथल देखने को मिल रही है। पप्पू यादव की जन अधिकारी पार्टी का कांग्रेस में विलय हो गया है। इस सियासी घटनाक्रम से बिहार कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश सिंह नाराज बताए जा रहे हैं। बिहार इंचार्ज मोहन प्रकाश ने उनकी नाराज़गी को दूर करने के लिए मुलाकात के लिए बुलाया है। बताया जा रहा है कि पप्पू यादव कांग्रेस जॉइन कर रहें है, इस बात की जानकारी अखिलेश प्रसाद सिंह को नहीं थी। वह पहले भी इस बात का विरोध कर चुके हैं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि जन अधिकार पार्टी और पप्पू यादव किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। पप्पू यादव एक कद्दावर नेता हैं, वे आज कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व, नीतियों और दिशा से प्रभावित होकर कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं। वे जन अधिकार पार्टी का भी कांग्रेस में विलय कर रहे हैं, ये विलय साधारण नहीं है, बल्कि ऐतिहासिक है।

जन हितैषी

राजनीतिक दलों का घोषणा पत्र निर्वाचित प्रतिनिधियों का दल-बदल

लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी हो गई है। 4 जून को लोकसभा चुनाव की मतगणना होगी। सभी राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को लुभाने के लिए घोषणा पत्र तैयार किये जा रहे हैं। राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं के लिए घोषणा कर अपने लिए समर्थन जुटाया जाता है। चुनाव के पहले सभी राजनीतिक दल और उम्मीदवार अपनी घोषणाओं के माध्यम से मतदाताओं का विश्वास अर्जित करते हैं। मतदाता भी राजनीतिक दलों की विचारधारा और उनके द्वारा की गई घोषणाओं के आधार पर मतदान करता है। मतदान के बाद जब चुनाव परिणाम आते हैं। जो भी विधायक अथवा सांसद चुने जाते हैं, वह जिस राजनीतिक दल के चुनाव चिन्ह से विजय प्राप्त करते हैं। चुनाव जीतने के बाद वह अपने व्यक्तिगत हितों को देखते हुए जिस पार्टी से वह चुनाव जीते हैं, उसको छोड़कर अन्य राजनीतिक दल में चले जाते हैं। वर्तमान में जो दल-बदल कानून है, उसका तोड़ राजनीतिक दलों द्वारा निकाल लिया गया है। वह संख्या के आधार पर सामूहिक दल-बदल करके सरकार गिराने और बनाने का काम करने लगे हैं। इसमें दल बदलने पर करोड़ों रुपए की कमाई निर्वाचित विधायकों और सांसदों को होती है, इस तरह के आरोप भी लगते हैं। दल-बदल करने के बाद कई राज्यों में मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और मंत्री का पद मिल जाता है। इस कारण पिछले 10 वर्षों में दल-बदल की घटनाएं बड़ी तेजी के साथ बढ़ती चली जा रही हैं। दल-बदल कानून एक तरह से निष्प्रभावी होकर रह गया है। मतदाता अपने आपको ठगा हुआ महसूस करता है। जो विधायक पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी में जाते हैं, वह अपने मतदाताओं से पार्टी बदलने के ?लिये रायशुमारी भी नहीं करते हैं। एक तरह से ?निर्वा?चित प्र?तिनिधि मतदाताओं को धोखा देते हैं। मतदाता अपने अधिकार 5 वर्ष तक के लिए लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से विधायक और सांसद को देता हैं। मतदाता राजनी?तिक दल की विचारधारा और राजनीतिक दलों के घोषणा पत्र को ध्यान में रखते हुए अपना प्रतिनिधि चुनता है। संविधान ने मतदाता को प्र?तिनिधि चुनने का अधिकार दिया है। मतदाता के साथ दल-बदल धोखाधड़ी करना, यह एक तरह का अपराध है। 91 के संविधान संशोधन में 2003 में इसमें संशोधन किया गया। दो तिहाई सदस्यों के विलय करने पर ही दल-बदल को सही ठहराया गया। इस संशोधन में एक संशोधन यह भी था, एक तिहाई सदस्य यदि अपनी पार्टी से अलग होकर अलग गुट बना लेते हैं, तो उसे दल-बदल नहीं माना जाएगा। पिछले 10 वर्षों में इस प्रावधान का जबरदस्त दुरूपयोग हुआ है। अलग गुट बनाकर गठबंधन की सरकार में शामिल होकर सरकारों को गिराने और बनाने का खेल शुरू हो गया है! वर्तमान दल-बदल और खरीद बिक्री की स्थिति को देखते हुए दल-बदल कानून में परिवर्तन किए जाने की मांग बड़ी तेजी के साथ उठने लगी है! कहा जा रहा है, कि जनप्रतिनिधि को जिस पार्टी से वह चुना गया है यदि वह पार्टी छोड़ना चाहता है, तो पहले वह अपने विधायक और सांसद के पद से इस्तीफा दे। उसके बाद चुनाव लड़कर वह जहां जाना चाहता वहां जाए है। ?निर्वा?चित प्र?तिनिधि पार्टी छोड़कर निर्दलीय या जिस पार्टी में जाना चाहता है, उसकी टिकट पर चुनाव लड़कर मतदाताओं का विश्वास जीते। सांसद हो या विधायक, वह मतदाताओं का प्रतिनिधित्व विधानसभा अथवा लोकसभा में करता है। संविधान के अनुसार मतदाता ही सर्वोपरि है। मतदाताओं के दिए गए अधिकार का दुरुपयोग करना निर्वाचित प्रतिनिधि का अधिकार नहीं हो सकता है। जिस तरह से निर्वाचित प्रतिनिधि अभी दल-बदल कर हॉर्स ट्रेडिंग की तरह खरीदे और बेचे जा रहे हैं, इस पर रोक लगाई जानी चाहिए। तभी लोकतंत्र को सुरक्षित रखा जा सकता है। जन प्रतिनिधियों को तभी मतदाताओं के प्रति उत्तरदाई बनाया जा सकता है।

ग्लोबल वार्मिंग से निपटने की जरुरत

ग्लोबल वार्मिंग स्थानीय परिस्थितियोंए ऐतिहासिक परिघटनाओं और अल नीनो जैसी प्राकृतिक परिवर्तनशीलता सहित विभिन्न कारकों से प्रभावित एक जटिल महासागरीय घटना है। वर्तमान वैश्विक लक्ष्य इस समय 1ण्5 डिग्री सेल्सियस तक तापमान सीमा को नियंत्रित करना है। अतः इस संदर्भ मेंए संबंधित जलवायविक आपदाओं को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए ग्लोबल वार्मिंग के पैटर्न को समझना अनिवार्य है। इसी संदर्भ में पैलियो प्रॉक्सीए वैज्ञानिकों द्वारा अतीत की जलवायु तथा पर्यावरणीय स्थितियों के पुनर्निर्माण के लिये उपयोग किये जाने वाले संकेतक या रिकॉर्ड हैंजंगल की आगए चक्रवातए सूखा और बाढ़ जैसी जलवायु आपदाओं के साथ.साथ विगत वर्ष 2023 में वार्मिंग या उच्चतम उष्णता के कई रिकॉर्ड टूट गए। इस समयए वैज्ञानिकों की भागीदारी के साथ .साथ अक्सर इस बात पर भी चर्चा रही है कि क्या हमने 1ण्5 डिग्री सेल्सियस की वार्मिंग सीमा को पार कर लिया है। सबसे सटीक अनुमानए विभिन्न उपकरणों द्वारा रिकॉर्ड किए गए आंकड़ों से प्राप्त होता हैए जिसके अनुसार पृथ्वी का तापमान अभी इस सीमा के ठीक नीचे है। पैलियो प्रॉक्सीज़ कोरलए स्टैलेक्टाइट्स और स्टैलेग्माइट्स जैसे कार्बनिक पदार्थों में संग्रहीत रासायनिक साक्ष्य का उपयोग करके ऐतिहासिक तापमान रुझानों में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। उनकी उपयोगिता के बावजूदए इन प्रॉक्सी की सीमाएँ हैं और ये तापमान परिवर्तन का केवल अप्रत्यक्ष प्रमाण प्रदान करते हैं। वर्तमान शोधकर्ताओं द्वारा आत्मसात किए गए रासायनिक यौगिकों को पिछले तापमान के अनुमान के अनुसार सावधानीपूर्वक जांचते हैं। हालाँकिए ये प्रॉक्सी कारक स्थानीय तापमान की विसंगति का अनुमान लगाते हैं और उसे पूरी तरह से प्रतिस्थापित नहीं कर सकते हैं। इसके अलावाए नेचर पत्रिका में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन ने यह सुझाव देकर विवाद उत्पन्न कर दिया हैए कि पृथ्वी की सतह पहले से ही पैलियो.थर्मोमेट्री के आधार पर पूर्व.औद्योगिक स्तरों से 1ण्5 डिग्री सेल्सियस से अधिक गर्म हो चुकी है। हालाँकिए इस अध्ययन की सीमित डेटा पर निर्भरताए वैश्विक रुझानों पर इसकी प्रयोज्यता को लेकर संदेहास्पद बनाती हैजलवायु विज्ञान में प्रगति के बावजूदए ग्लोबल वार्मिंग के पैटर्न को समझने में काई बाधाएं आज भी विद्यमान हैं। अल नीनो घटनाओं और क्षेत्रीय विविधताओं सहित वार्मिंग पैटर्न को प्रभावित करने वाले कारकों की जटिलताए शोधकर्ताओं के लिए कई चुनौतियां उत्पन्न करती हैं। उदाहरण के लिएए भारत में वर्ष 2023 के मानसून का वितरण और तीव्रता स्पष्ट नहीं है। यह अस्पष्टताए अल नीनोए ग्लोबल वार्मिंग और स्थानीय जलवायु घटनाओं के बीच जटिल अंतरसंबंध को उजागर करता है। इसके अलावाए वार्मिंग पैटर्न की व्यापक समझ का अभाव जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने की हमारी क्षमता को कमजोर करता है। अतः बदलते मौसम के अनुकूल ढलने और आजीविका सहित अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए वार्मिंग पैटर्न की सटीक भविष्यवाणी आवश्यक हैएअल नीनो घटनाएँ उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर में गर्मी का पुनर्वितरण करके ग्लोबल वार्मिंग पैटर्न को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अल नीनो विभिन्न वर्षों के दौरानए समुद्र की गर्मी को अवशोषित करता है और उसे मुक्त भी करता हैए जिससे वैश्विक तापमान में उतार.चढ़ाव होता रहता है इसे टेलीकनेक्शन के रूप में जाना जाता है। अल नीनो घटनाओं के दौरान वार्मिंग का स्थानिक वितरण अलग.अलग होता हैए जिससे क्षेत्रीय जलवायु पर अलग.अलग प्रभाव पड़ता है।इसके अलावाए अल नीनो टेलीकनेक्शन विशिष्ट क्षेत्रों में तापमान विसंगतियों को बढ़ाने या कम करने के लिए ग्लोबल वार्मिंग से प्रत्यक्षतः संबंधित हैं। उदाहरण के लिएए अल नीनो द्वारा संचालित कैलिफोर्निया में हाल ही में आई बाढ़ए प्राकृतिक परिवर्तनशीलता और मानवजनित जलवायु परिवर्तन के बीच जटिल पारस्परिकता को रेखांकित करती है। इसीलिए वार्मिंग पैटर्न की सटीक भविष्यवाणी और संबंधित जोखिमों के प्रबंधन के लिए इन गतिशीलता को समझना अनिवार्य है।ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव क्षेत्रीय रूप से भिन्न होता है। यह स्थानीय अनुकूलन रणनीतियों की आवश्यकता को रेखांकित करता है। इस कारण आर्कटिक क्षेत्रों और रेगिस्तानी क्षेत्रों में बढ़ी हुई गर्मी का अनुभव होता हैए जबकि तटीय क्षेत्रों में समुद्री प्रभावों के कारण इसके कम प्रभाव दिखते हैं। अतएव जलवायु अनुरूप अनुकूलन उपायों को विकसित करने और जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए क्षेत्रीय परिवर्तनशीलता को समझना आवश्यक है। इसके अलावाए नीतिगत निर्णयों को सूचित करने और संसाधनों को प्रभावी ढंग से आवंटित करने के लिए क्षेत्रीय वार्मिंग पैटर्न की सटीक भविष्यवाणी आवश्यक है। क्षेत्रीय जलवायु मॉडल और अवलोकन डेटा को एकीकृत करकेए वैज्ञानिकय जलवायु अनुमानों की सटीकता बढ़ा सकते हैं और लक्षित हस्तक्षेप विकसित करने में नीति निर्माताओं की सहायता कर सकते हैंजलवायु मॉडल भविष्य में वार्मिंग पैटर्न की भविष्यवाणी करने और शमन उपायों के प्रभाव का आकलन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये मॉडल वैश्विक जलवायु गतिशीलता का अनुकरण करने के लिए ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जनए भूमि उपयोग परिवर्तन और प्राकृतिक परिवर्तनशीलता सहित विभिन्न कारकों को एकीकृत करते हैं। हालाँकिए मॉडल अनुमानों में अनिश्चितताओं के लिए अवलोकन संबंधी डेटा के विरुद्ध निरंतर शोधन और सत्यापन की आवश्यकता होती है। इसके अलावाए मशीन लर्निंग और डेटा एसिमिलेशन तकनीकों में प्रगति जलवायु मॉडल की सटीकता में सुधार और भविष्य के अनुमानों में अनिश्चितताओं को कम करने का वादा करती है। मॉडल सिमुलेशन के साथ अवलोकन संबंधी डेटा को एकीकृत करकेए वैज्ञानिक जलवायु पूर्वानुमानों की विश्वसनीयता बढ़ा सकते हैं और साक्ष्य.आधारित निर्णय लेने की जानकारी दे सकते हैं। ग्लोबल वार्मिंग के पैटर्न विभिन्न कारकों से प्रभावित होते हैंए जिनमें क्षेत्रीय परिवर्तनशीलताए अल नीनो जैसी प्राकृतिक घटनाएं और मानव.प्रेरित जलवायु परिवर्तन भी शामिल हैं। हालांकि 1ण्5 डिग्री सेल्सियस जैसी तापमान सीमाएं इस समय महत्वपूर्ण बेंचमार्क के रूप में काम करती हैं। इसके लिए प्रभावी जलवायु अनुकूलन और शमन के लिए वार्मिंग पैटर्न के स्थानिक वितरण और अस्थायी विकास को समझना आवश्यक है। पैलियो प्रॉक्सी के संभावित लाभ सहित जलवायु मॉडल को आगे बढ़ाना और अवलोकन डेटा को एकीकृत करकेए वैज्ञानिक ग्लोबल वार्मिंग पैटर्न के बारे में हमारी समझ को बढ़ा सकते हैंए साथ ही भविष्य के अनुमानों की सटीकता में सुधार कर सकते हैं। इसके अलावाए जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने के लिए समग्र समाधान विकसित करने के लिए अंतःविषय सहयोग और हितधारक जुड़ाव अनिवार्य हैं। अंततः पैलियो प्रॉक्सी अध्ययन को प्राथमिकता देकर और मजबूत वैज्ञानिक अनुसंधान में निवेश करकेए हम जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों को कम कर सकते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए अधिक सुरक्षित भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। (लेखक- संजय गोस्वामी / ईएमएस)

उत्तराखंड के शहीदों को 30 साल बाद मिला अधूरा न्याय!

पृथक राज्य उत्तराखंड की मांग को लेकर आंदोलन के दौरान हुए चर्चित रामपुर तिराहा कांड-1994 में तीन दशक बाद मुजफ्फरनगर की एक अदालत ने पीएसी के दो सिपाहियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोनों सिपाहियों पर 25-25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है।मुजफ्फरनगर कोर्ट ने दुष्कर्म के मामले में पीएसी सिपाही मिलाप सिंह और वीरेंद्र प्रताप पर आरोप साबित होने पर उन्हें उक्त सजा सुनाई है। 25 जनवरी सन 1995 को सीबीआई ने पुलिस कर्मियों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए थे। एक अक्टूबर सन 1994 को अलग राज्य उत्तराखंड बनाने की मांग को लेकर देहरादून,हरिद्वार व अन्य पर्वतीय क्षेत्रों से बसों में सवार होकर आंदोलनकारी दिल्ली जा रहे थे, 2 अक्टूबर सन 1994 की देर रात पहले नारसन में और फिर मुजफ्फरनगर के रामपुर तिराहा पर पुलिस ने आंदोलनकारियों को रोकने का प्रयास किया था,इस दौरान जब आंदोलनकारी नहीं माने तो पुलिसकर्मियों ने आंदोलनकारियों पर फायरिंग कर दी थी। इस घटना में 7 आंदोलनकारियों की मौत हो गई थी। इस पूरे मामले की सीबीआई ने जांच की और आरोपी अधिकारियों और पुलिसकर्मियों पर मुकदमे दर्ज कराए थे।इसमें पीएसी गाजियाबाद में सिपाही पद पर तैनात जनपद एटा निवासी मिलाप सिंह और दूसरा आरोपी सिपाही सिद्धार्थनगर निवासी वीरेंद्र प्रताप पर आरोप साबित हुए है।18 मार्च 2024 को करीब 30 साल बाद रामपुर तिराहा कांड में मुजफ्फरनगर की अदालत ने फैसला सुनाते हुए दोनों आरोपी सिपाहियों को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है, साथ ही दोनों दोषियों पर 25-25 हजार का जुर्माना भी लगाया गया है।लेकिन अन्य वे आरोपी जिन्होंने सरकार व प्रशासन में होते हुए निहत्थे आंदोलन कारियो पर गोली चलवाने के आदेश दिए,उनके विरुद्ध आज तक कुछ नही हो पाया है। विदित हो,पृथक उत्तराखंड राज्य आंदोलन की मांग ने 1 अक्टूबर 1994 को बड़ा रूप ले लिया था। एक अक्टूबर की रात काफी संख्या में उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी बसों में भरकर देहरादून से दिल्ली की तरफ कूच करने लगे थे। लेकिन तत्कालीन उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के आदेश पर पुलिसकर्मियों ने राज्य आंदोलनकारियों को मुजफ्फनगर के रामपुर तिराहे पर रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी दिल्ली जाने की जिद पर अड़े रहे। दो अक्टूबर की तड़के करीब तीन बजे के आसपास माहौल पूरी तरह के तनावपूर्ण हो गया था।पुलिस ने उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों को रोकने के लिए पहले लाठीचार्ज किया और फिर गोली चला दी। जिसमें 7 राज्य आंदोलनकारियों की शहादत हो गई थी। इस दौरान कई महिलाओं के साथ दरिंदगी की घटना को भी अंजाम दिया गया था, इस कांड दो दर्जन से अधिक पुलिसकर्मियों पर बलात्कार, हत्या, छेड़छाड़ और डकैती जैसे कई मामले दर्ज हुए हैं। फायरिंग मामले में सन 2003 में तत्कालीन जिलाधिकारी को भी नामजद किया गया था।घटना के समय कथित रूप से पत्थर लगने पर तत्कालीन जिलाधिकारी अनंत कुमार सिंह घायल हो गए थे, जिससे गुस्साई पुलिस ने क्रूरता पूर्वक लाठीचार्ज किया और करीब ढाई सौ आंदोलनकारियों को हिरासत में ले लिया था। इसी झड़प के बीच पुलिस पर महिलाओं के साथ छेड़खानी और बलात्कार के भी आरोप लगे, इस बर्बरता की खबर फैलने पर करीब 40 बसों से आंदोलनकारी रामपुर तिराहे पर पहुंचे थे,जहां झड़प हुई थी। 2 अक्टूबर सन 1994 के दिन मामला संघर्षपूर्ण स्थिति में पहुंच गया। इसमें यूपी पुलिस ने करीब 24 राउंड फायरिंग की, जिसमें 7 लोगों की जान चली गई और डेढ़ दर्जन लोग घायल हो गए।रामपुर तिराहा कांड में कई पुलिसकर्मियों और प्रशासनिक अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज हुई और फिर 1995 में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। सीबीआई के पास सैकड़ों शिकायतें दर्ज हुई।उस वक्त 'बाड़ी-मडुआ खाएंगे उत्तराखंड बनाएंगे' जैसे नारे लग रहे थे।लेकिन 7 आंदोलनकारियो की शहादत, ढाई सौ महिलाओं में से किसी अबला के साथ बलात्कार,किसी के साथ हिंसा,किसी के साथ उत्पीड़न की घटना ने पूरे उत्तराखंड क्षेत्र को झकझोर दिया था,लेकिन उक्त घटना में सिर्फ 2 दोषियों को आधी अधूरी सजा मिलना नाकाफी ही कहा जाएगा। (लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन/ईएमएस) (लेखक उत्तराखंड आंदोलन घटना के प्रत्यक्षदर्शी पत्रकार है)

भाजपा शासन और भारतीय प्रजातंत्र व संविधान को खतरे

सत्ताधारी भाजपा के नेता इन दिनों चार सौ पार की बात कर रहे हैं। उनका मानना है कि आने वाले आम चुनाव में भाजपा 370 से ज्यादा सीटें जीतेगी और उसके गठबंधन साथी 30 से ज्यादा। और इस प्रकार एनडीए 400 पार हो जायेगा। यह संख्या किसी चुनाव विशेषज्ञ की राय या किसी वैज्ञानिक सर्वेक्षण पर आधारित नहीं है। यह प्रचार केवल राजनैतिक उद्देश्य से किया जा रहा है।

चार सौ पार की जरूरत क्यों है? इसका स्पष्टीकरण देते हुए भाजपा के कर्नाटक से सांसद और पार्टी के वरिष्ठ नेता अनंत कुमार हेगड़े ने बताया कि संविधान को बदलने के लिए पार्टी को 400 सीटों की जरूरत होगी। ''कांग्रेस ने संविधान को विकृत कर दिया है। उसका मूल स्वरूप बदल दिया है। उसने संविधान में अनावश्यक चीजें (शायद उनका मतलब धर्मनिरपेक्षता व समाजवाद से था) ठूंस दी हैं। ऐसे कानून बनाए गए हैं जो हिन्दू समुदाय का दमन करते हैं। ऐसे में अगर इस स्थिति को बदला जाना है, अगर संविधान को बदला जाना है, तो वह उतनी सीटों से संभव नहीं है जितनी अभी हमारे पास हैं।''

भाजपा ने इस बयान से दूरी बना ली। उसने कहा कि वह अपने सांसद के वक्तव्य का अनुमोदन नहीं करती। ऐसी खबरें भी हैं कि यह बयान देने के कारण हेगड़े को पार्टी के टिकिट से भी वंचित किया जा सकता है। ऐसा होता है या नहीं यह तो समय बतलायेगा मगर एक बात पक्की है। वह यह कि भाजपा के लिए इस तरह के बयान और दावे कोई नई बात नहीं हैं। अनंत कुमार हेगड़े ने यही बात 2017 में भी कही थी जब वे भाजपा की केन्द्र सरकार में मंत्री थे। मगर फिर भी उन्हें 2019 के आम चुनाव में टिकिट दिया गया।

कांग्रेस सांसद राहुल गाँधी और कई अन्य का मानना है कि भाजपा को 400 सीटें उसी उद्देश्य के लिए चाहिए, जिसकी बात हेगड़े कर रहे हैं। राहुल गाँधी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर हिन्दी में लिखा, ''भाजपा सांसद का यह बयान कि पार्टी को संविधान बदलने के लिए 400 सीटों की जरूरत होगी, दरअसल, नरेन्द्र मोदी और उनके संघ परिवार के गुप्त एजेन्डा की सार्वजनिक उद्घोषणा है। नरेन्द्र मोदी और भाजपा का अंतिम उद्देश्य बाबासाहेब के बनाए संविधान को नष्ट करना है। संघ परिवार न्याय, समानता, नागरिक अधिकार और प्रजातंत्र जैसी संकल्पनाओं से नफरत करता है।''

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने यह आरोप भी लगाया कि ''समाज को बांटकर, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर रोकें लगाकर और स्वतंत्र संस्थाओं को पंगु कर संघ परिवार भारत के महान प्रजातंत्र को एक संकीर्ण तानाशाही में बदल देना चाहता है और एक षड्यंत्र के तहत विपक्ष को समाप्त किया जा रहा है।''

प्रजातांत्रिक मूल्यों, जिनमें समानता का मूल्य शामिल है, को कमजोर करने के लिए भाजपा की रणनीति द्विस्तरीय है। उसका पितृसंगठन आरएसएस शुरू से ही संविधान के खिलाफ रहा है। भारत का संविधान लागू होने के बाद आरएसएस के गैर-आधिकारिक मुखपत्र 'द आर्गनाईज़र' ने लिखा।।। ''हमारे संविधान में प्राचीन भारत में हुए अनूठे संवैधानिक विकास का कोई उल्लेख नहीं है। मनुस्मृति में वर्णित कानून आज की तारीख में भी दुनियाभर के लिए विशेष आदर का विषय हैं। वे लोगों को स्वभाविक रूप से उनका पालन करने और उनके अनुरूप आचरण करने के लिए प्रेरित करते हैं। लेकिन हमारे संवैधानिक पंडितों के लिए इसका कोई मतलब नहीं है।''

भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने सन् 1998 में सत्ता में आने के बाद जो पहला काम किया वह था संविधान की समीक्षा के लिए एक आयोग की नियुक्ति। इस आयोग (वेंकटचलैया आयोग) की रिपोर्ट लागू नहीं की जा सकी क्योंकि संविधान के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ का जबरदस्त विरोध हुआ। भाजपा अपने बल पर 2014 से सत्ता में है और तब से उसने कई बार संविधान की उद्देशिका का प्रयोग, उसमें से धर्मनिरपेक्ष व समाजवादी शब्द हटाकर किया है।

सन 2000 में आरएसएस के मुखिया बनने के बाद के. सुदर्शन ने बिना किसी लागलपेट के कहा था कि भारत का संविधान पश्चिमी मूल्यों पर आधारित है और उसके स्थान पर एक ऐसा संविधान बनाया जाना चाहिए जो भारतीय पवित्र ग्रन्थों पर आधारित हो। सुदर्शन ने कहा कि संविधान भारत के लोगों के लिए किसी काम का नहीं है क्योंकि वह गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट 1935 पर आधारित है। उन्होंने यह भी कहा कि हमें संविधान को पूरी तरह से बदल डालने में संकोच नहीं करना चाहिए।

अभी पिछले साल अगस्त में लाईवमिंट में प्रकाशित अपने एक लेख में प्रधानमंत्री की आर्थिक परामर्शदात्री परिषद के मुखिया डॉ. विवेक देबराय ने भी संविधान को बदलने की जरूरत बताई थी। इस प्रकार भाजपा संगठन और सरकार के प्रमुख कर्ताधर्ता समय-समय पर संविधान को बदलने की बात करते रहते हैं और भाजपा और सरकार, आधिकारिक रूप से कहती रहती है कि वह इन विचारों का अनुमोदन नहीं करती।

इसके साथ ही अपनी सरकार के पिछले एक दशक के शासनकाल में भाजपा ने भारतीय संविधान के मूलभूत मूल्यों को क्षति पहुँचाने का हर संभव प्रयास किया है। प्रजातांत्रिक राज्य के सभी स्तम्भों और संवैधानिक संस्थाओं सहित सभी एजेन्सियों पर सरकार का नियन्त्रण है। सरकार का मतलब है एक व्यक्ति। चाहे वह ईडी हो, सीबीआई हो, आयकर विभाग या चुनाव आयोग हो - सभी एक व्यक्ति के नियंत्रण और निर्देशन में काम कर रहे हैं। जहाँ तक न्यायपालिका का प्रश्न है उसे भी अलग-अलग स्तरों पर अलग-अलग तरीकों से कमजोर कर दिया गया है। वरना आखिर क्या कारण है कि उमर खालिद के तीन साल से जेल में होने के बावजूद कोई अदालत उसकी जमानत की अर्जी पर विचार करने को तैयार नहीं है।

जहाँ तक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सवाल है वह लगभग गायब हो चुकी है। मुख्यधारा का मीडिया सरकार के प्रशंसक कार्पोरेट घरानों के नियंत्रण में है और सभी बड़े टीवी चैनल और अखबार सरकार के भोंपू बन गए हैं। स्वतंत्रता से सोचने वाले और आज़ादी से बोलने वालों के लिए बहुत कम जगह बची है और यह तब जब हम सब जानते हैं कि बोलने की आज़ादी प्रजातांत्रिक समाज का प्रमुख स्तम्भ है।

अनेक अंतर्राष्ट्रीय सूचकांकों के अनुसार भारत में धार्मिक स्वतंत्रता कमज़ोर होती जा रही है। अमरीका के धार्मिक स्वतंत्रता वॉचडॉग के अनुसार भारत ''विशेष चिंता'' का विषय है। वी-डेम के अनुसार प्रजातंत्र के सूचकांक पर भारत का नंबर 104 है और वह नाईजर और आईवरी कोस्ट के बीच है। यह गिरावट पिछले दस सालों में ही आई है। सरकार अपनी एजेंसियों और अपने निर्णयों के जरिये प्रजातांत्रिक स्वतंत्रताओं का गला घोंट रही है।

बहुत समय नहीं हुआ जब लालकृष्ण आडवाणी ने कहा था कि भारत में अघोषित आपातकाल लागू है। देश में हिन्दू राष्ट्रवाद के लड़ाके हर तरह की आज़ादी को कुचल रहे हैं। सरकारी तंत्र भी यही कर रहा है। सरकार दर्शकदीर्घा में है और इन तत्वों को उसका साफ संदेश है कि वे अल्पसंख्यकों और समाज के कमजोर वर्गों के प्रजातांत्रिक अधिकारों का खुल्लम-खुल्ला उल्लंघन कर सकते हैं और उनका कुछ नहीं बिगड़ेगा।

अगर हम अपने आसपास देखें तो पायेंगे कि हर धार्मिक राष्ट्रवादी संस्था को प्रजातांत्रिक स्वतंत्रताओं से एलर्जी होती है। वे सभी संविधान को बदलना चाहते हैं और उनके कार्यकर्ता ज़मीनी स्तर पर बाँटने और दमन करने वाली राजनीति करते हैं। पाकिस्तान और श्रीलंका में यही होता आया है। अब भारत भी प्रजातंत्र को कुचलने वाले देशों के इस क्लब में शामिल होने की कोशिश में है। भाजपा की रणनीति साफ है-एक ओर संविधान को बदलने की बात करो और दूसरी तरफ जो संविधान अभी है उसे कमज़ोर और निष्प्रभावी कर दो।

(अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया; लेखक आईआईटी मुंबई में पढ़ाते थे और सन 2007 के नेशनल कम्यूनल हार्मोनी एवार्ड से सम्मानित हैं) (लेखक-राम पुनियानी/ ईएमएस)

आज का इतिहास 21 मार्च

1779 अंग्रेजों ने टीपू सुल्तान से बेंगलोर छीना.
1801 सिकंदरिया मे ब्रिटिश फौजों ने फ्रांसीसी फौजों को शिकस्त दी.
1821 स्पेन मे भूकम्प से छह हजार से अधिक लोग मरे.
1831 आस्ट्रियाई फौजें इटली में विद्रोह का दमन करने पहुँची.
1836 पहला सार्वजनिक पुस्तकालय कलकत्ता में खुला .
1884 फ्रांस मे श्रमिक संघों को वैधता प्रदान की गई.
1905 ब्रिटेन व फ्रांस ने रूस के खिलाफ एक समझौता किया.
1921 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का ध्वज स्वीकार किया गया.
1939 जर्मनी ने लिथुआनिया से मेमेल अपने अधिकार मे ले लिया.
1960 दक्षिण अफ्रीका के शार्पविले में सत्तावन लोग मारे गये और आपातकालीन की घोषणा कर दी गई.
1977 आपात स्थिति को वापस ले ली गई.
1977 श्रीमति इन्दिरा गाँधी ने चुनाव हारने के बाद इस्तीफा दिया.
1992 पनडुब्बी 'शंकुल' का जलावतरण.
1996 भारतीय उपग्रह आई.आर.एस.-पी3 का श्रीहरिकोटा का सफल परीक्षण.
1999 सऊदी अरब का परिवहन विमान में दुर्घटनाग्रस्त जिसमें 98 लोग मारे गए.
2000 उग्रवादियों ने दक्षिण कश्मीर में 35 सिक्खों की हत्या कर दी.

शब्द पहेली - 7953

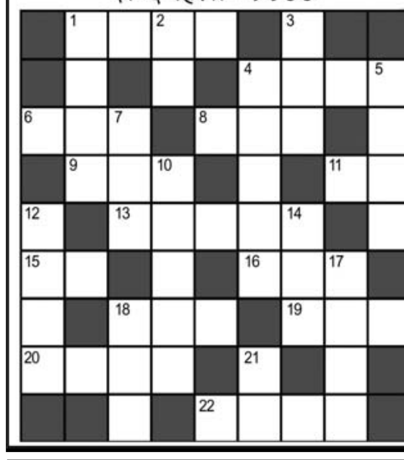

बाएँ से दाएँ
1. ईश्वरीय कृपा-4
4. कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4
6. दुर्बल का विलोम-3
8. सुनसान,नीरव-3
9. प्रेम प्रतिद्वंदी (उर्दू-3)
11. घोषवाक्य-2
13. चित्रपट,मायानगरी -3,2
15. सूर्य,भास्कर-2
16. उपनदी,कैनाल-3
18. व्यंग,परिहास-3
19. कौर,ग्रास-3
20. दफन करना-4
22. भूल,असावधानी-4

ऊपर से नीचे
1. अगुवा,रास्ता दिखाने वाला-4
2. सरुर,नशा,गरुर-2
3. चिंतन,विचारना-3
4. परजन भावना,गैरपन-5
5. भिड़ना,मुठभेड़-4
7. रेखा,लाईन-3
10. झाग बनना-5
12. सीमा,हद,बॉर्डर-4
14. शाखा,डाली-3
17. रिवाज,परंपरा-4
18. पाबंदी,रोक-3
21. स्वच्छ-2

शब्द पहेली -7952 का हल

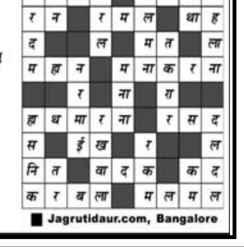

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

सीए के टी20 सीरीज स्थगित करने पर एसीबी ने निराशा जतायी

काबुल (ईएमएस)। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के टी20 सीरीज स्थगित करने पर निराशा जतायी है। इससे पहले सीए ने अफगानिस्तान में महिलाओं और लड़कियों से भेदभाव के कारण दोनो के बीच तय सीरीज स्थगित कर दी थी। वहीं अब एसीबी ने कहा, एसीबी एक और द्विपक्षीय सीरीज को स्थगित करने के सीए के फैसले पर निराशा व्यक्त करता है। वह दुनिया भर में तटस्थ और राजनीति-मुक्त क्रिकेट पर अपना रुख दोहराता है। एसीबी अफगानिस्तान में खेल के महत्व और अफगान राष्ट्र की खुशी को देखते हुए क्रिकेट को राजनीतिक प्रभाव से अलग रखने का भी अनुरोध करता है।

एसीबी ने यह भी कहा कि वे सीए पर पड़ रहे दबाव को समझते हैं, साथ ही ऑस्ट्रेलियाई सरकार से क्रिकेट बोर्डों पर अपनी नीतियां नहीं थोपने और क्रिकेट के विकास के समर्थन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा है। एसीबी ने कहा, एसीबी क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया पर ऑस्ट्रेलियाई सरकार के दबाव को स्वीकार करता है और दोनों क्रिकेट बोर्डों के बीच सहयोगात्मक प्रयासों के जरिये ऐसे मुद्दों को संबोधित करने के महत्व पर जोर देता है। एसीबी ऑस्ट्रेलियाई सरकार से अपनी नीतियों को क्रिकेट बोर्डों पर थोपने के बजाय सभी क्षेत्रों में क्रिकेट के विकास का समर्थन पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह करता है।

रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों को ओलंपिक उद्घाटन समारोह में शामिल होने की अनुमति नहीं : आईओसी

जिनेवा (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने कहा है कि रूस और बेलारूस के खिलाड़ी आगामी पेरिस ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में शामिल नहीं हो सकेंगे हालांकि इन देशों के खिलाड़ी समारोह को देख सकेंगे। ओलंपिक का उद्घाटन समारोह 26 जुलाई को है जिसमें हजारों खिलाड़ी सीन नदी से एफील टावर की तरफ नावों से आएंगे जबकि आम तौर पर परेड स्टेडियम में होती है।

आईओसी ने कहा कि रूस और बेलारूस के खिलाड़ी नदी से ये उद्घाटन समारोह देख सकेंगे। इन दोनो ही देशों के खिलाड़ियों को टस्थ खिलाड़ियों के तौर पर ओलंपिक में खेलने की अनुमति मिली है और इस दौरान वे अपने देशों के झंडे का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे , इसके अलावा वे सेना या सुरक्षाबलों से जुड़े हुए न हों। वहीं इससे पहले आईओसी ने 28 अगस्त को पेरिस पैरालम्पिक के उद्घाटन समारोह में रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगाये जाने की घोषणा की थी। ये प्रतिबंध यूक्रेन के खिलाफ पिछले दो साल से जारी हमलों को देखते हुए लगाया गया है।

रिंकू ने आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे गेंदबाज पर लगाया छक्का

कोलकाता (ईएमएस)। आक्रामक बल्लेबाज रिंकू सिंह ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2024 सत्र के लिए हुए अभ्यास मैचों के दौरान अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सबसे महंगे गेंदबाज मिशेल स्टार्क को भी नहीं छोड़ा। रिंकू ने 24.75 करोड़ी में खरीदे गये ऑस्ट्रेलियाई बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क पर एक लंबा छक्का लगाया है। करीब एक दशक के बाद आईपीएल सर्कस में वापसी करने वाले स्टार्क इससे हैरान रह गय। ईडन गार्डंस में कोलकाता नाइटराइडर्स के दूसरे वॉर्म-अप मैच के दौरान डेथ ओवर में स्टार्क के सामने रिंकू आ गये। रिंकू ने विश्व के शीर्ष गेंदबाजों में शामिल स्टार्क पर ऐसा शॉट लगाया कि वह हैरत में पड़ गये।

अंतिम बार 2014 और 2015 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए आईपीएल खेलने वाले स्टार्क को आईपीएल 2018 से पहले केकेआर ने खरीदा था पर चोट के कारण वह उस सत्र से बाहर हो गए थे। इसके बाद केकेआर ने इस साल नीलामी रिकॉर्ड तोड़ते हुए उन्हें 24.75 करोड़ रुपये की कीमत पर खरीदा।

आईपीएल को लेकर स्टार्क ने कहा था, यह दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टी20 लीग है तो यह हमेशा एक तरह का सर्कस जैसा होता है। यह निश्चित रूप से एक नई चुनौती है। हां, यह रोमांचक होने वाला है। मैं इसके लिए रोमांचित हूं। अब जब स्टार्क ने नई गेंद से पूरी गति से गेंदबाजी की तो बात बनते नजर नहीं आई। हालांकि, स्टार्क ने अफगान बल्लेबाज गुरबाज को उछाल से परेशान किया और फिर उन्हें आउट किया। इस तरह एक ओवर में एक रन देकर एक विकेट उनके पास था।

बाद में रिंकू सिंह और मनीष पांडे के सामने डेथ ओवर्स में उन्हें गेंद थमाई गई। यहां ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने अंतिम ओवर में 20 रन दे दिये। इस दौरान रिंकू ने आखिरी ओवर में मिडविकेट पर छक्का लगाकर शुरुआत की, लेकिन स्टार्क ने यॉर्कर पर गलती की और फुलटॉस फेंक बैठे। इसके बाद रिंकू ने गेंद को छक्के के लिए भेजने में गलती नहीं की।

अवसर मिला तो भारत ओलंपिक की मेजबानी भी करेगा : खेल मंत्री

नई दिल्ली (ईएमएस)। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि भारत ओलंपिक की मेजबानी के लिए तैयार है। ठाकुर ने कहा कि भारत ने अब तक ओलंपिक की मेजबानी नहीं की है पर अगर अवसर मिला तो उसका सफल आयोजन किया जाएगा। भारत ने अब तक एक बार ही राष्ट्रमण्डल खेलों का आयोजन साल 2010 में नई दिल्ली में किया था। अब देखना है कि भारत को ओलंपिक की मेजबानी मिल पाती है या नहीं।

ठाकुर न कहा कि हम 2030 में यूथ ओलंपिक 2026 में दावेदारी पेश करेंगे। साथ ही कहा कि भारत आने वाले समय में पक्के तौर पर ओलंपिक की मेजबानी करेगा। साथ ही कहा कि साल 2026 तक हम विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेंगे। हमने ओलंपिक में पिछले कुछ समय से शानदार खेल दिखाया है। पैरालंपिक में सबसे अधिक मैच जीतने के अलावा एशियाई खेलों में भी पदक जीता है।

इसके साथ ही अनुराग ठाकुर ने कहा कि वह स्वयं खिलाड़ी रहे हैं। अगर वह नेता नहीं होते तो क्रिकेटर होते। साथ ही कहा कि मैं अब भी क्रिकेट खेलता हूं। दुनिया का सबसे खूबसूरत स्टेडियम भी हमारे यहां धर्मशाला में है। '

आईपीएल में नाम बदलने वाली टीमों को नहीं मिली विशेष सफलता

मुम्बई (ईएमएस)। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से पहले अपना नाम बदलने से ये सवाल उठा है कि क्या इससे आरसीबी की किस्मत बदल जाएगी। इसका जवाब तो इस सत्र में मिल जाएगा। वहीं अगर आईपीएल इतिहास देखा जाये तो अब तक तीन टीमों ने नाम बदला है पर इसके बाद भी उनके प्रदर्शन में कोई विशेष फर्क नहीं आया। आरसीबी से पहले दिल्ली कैपिटल्स, पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद भी अपने नाम बदले हैं। आइए देखें कि इन टीमों ने अपने पहले और बदले हुए नाम के साथ कैसा प्रदर्शन किया.

अब देखना है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू अपना नाम बदलकर ट्रॉफी जीत पाती है या नहीं। आईपीएल में नाम बदलने वाली पहली टीम सनराइजर्स हैदराबाद की थी। यह टीम 2008 से 2012 के बीच डेक्कन चार्जर्स के नाम से उतरी। साल 2008 में इस टीम ने खिताब भी जीता। साल 2013 में डेक्कन चार्जर्स टीम के मालिकाना हक में कुछ बदलाव हुए और टीम का नाम भी बदल गया। डेक्कन चार्जर्स से बदलकर सनराइजर्स हैदराबाद हुई इस टीम ने 2016 में एक बार फिर ट्रॉफी जीती।

दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल में नाम बदलने वाली दूसरी टीम रही। साल 2017 तक यह टीम दिल्ली डेयरडेविल्स के नाम से लीग में उतरती थी। साल 2018 में टीम का नाम बदलकर दिल्ली कैपिटल्स कर दिया गया। नाम बदलने के बाद यह टीम लगातार तीन साल प्लेऑफ में पहुंची है जबकि नाम बदलने से पहले दिल्ली की टीम 10 साल में सिर्फ 3 बार प्लेऑफ पहुंची थी। टीम का सबसे बेहतर प्रदर्शन साल 2020 में आया, जब वह उपविजेता रही।

पंजाब किंग्स आईपीएल में नाम बदलने वाली तीसरी टीम रही। पहले यह टीम किंग्स इलेवन पंजाब के नाम से लीग में उतरती थी। साल 2021 में टीम का नाम बदलकर पंजाब किंग्स कर दिया गया हालांकि, खिताब के मामले में टीम के नाम बदलने से कोई फर्क नहीं पड़ा. ना तो किंग्स इलेवन पंजाब और ना ही पंजाब किंग्स के नाम से यह टीम चैंपियन बन पाई।

आईपीएल 2024 में स्मार्ट रीप्ले सिस्टम का होगा उपयोग

मुंबई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अब 'स्मार्ट रीप्ले प्रणाली शुरू की जाएगी। इसका लक्ष्य अंपायर के फैसलों को लेकर होने वाले विवादों को रोकना है। इस आधुनिक प्रणाली से फैसलों में तेजी और सटीकता आयेगी। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, टीवी अंपायर को 'हॉक आई प्रणाली के दो ऑपरेटरों से सीधे संकेत मिलेंगे। ये ऑपरेट अंपायर के साथ ही बैठेंगे और मैदान पर लगे आठ हाई-स्पीड कैमरों से ली गई तस्वीरें पेश करेंगे। इस नई प्रणाली के आने से टीवी प्रसारण निर्देशक की भूमिका कम हो जाएगी क्योंकि नई प्रणाली टीवी अंपायर को पहले की तुलना में अधिक स्पष्ट तौर पर तस्वीरों के विश्लेषण का अवसर प्रदान करेगी और हॉक आई ऑपरेटरों के साथ उनकी बातचीत का सीधा प्रसारण भी किया जाएगा जिससे दर्शकों को फैसले के पीछे की प्रक्रिया भी समझ में आ जाएगी।

सीए ने भारतीय टीम के दौरे के लिए आयोजन स्थल भी तय

सिडनी (ईएमएस)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने भारतीय टीम के नवंबर में होने वाले दौरे की तैयारियां शुरु कर दी हैं। भारतीय टीम इस दौरे में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। सीए ने इसके लिए आयोजन स्थल भी तय कर दिये हैं। पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में पहला टेस्ट खेला जाएगा। सीरीज का दूसरा मैच एडिलेड ओवल में खेला जाएगा और ब्रिस्बेन का द गाबा तीसरे टेस्ट मैच की मेजबानी करेगा। बॉक्सिंग डे टेस्ट प्रतिष्ठित मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में होगा और सीरीज का आखिरी मैच सिडनी क्रिकेट मैदान में खेला जाएगा। सीए ने अभी तक अगले सत्र के लिए कार्यक्रम जारी नहीं किया है। इसकी घोषणा महीने के अंत में हो सकती है।

हाल में पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज में यहां काफी कम दर्शक थे। ऐसे में प्रशंसकों की संख्या बढ़ाने सीए पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर काम करेगा और दर्शकों को आकर्षित करने का प्रयास करेगा। यहां बिग बैश लीग में दर्शकों की तादाद काफी अच्छी रही है। सीए को उम्मीद है कि भारत और इंग्लैंड की टीमों के दौरे से पर्थ टेस्ट में दर्शकों की संख्या बढ़ेगी।

हर सत्र के साथ बढ़ रही आईपीएल की लोकप्रियता

अब तक 87 और 22 हैट्रिक बनी

मुम्बई (ईएमएस)। आईपीएल का 17 वां संस्करण 22 मार्च से शुरु होगा। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला च गत विजेता चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) के बीच होगा। साल 2008 से प्रारंभ हुए इस टूर्नामेंट में प्रशंसकों को रोमांचक क्रिकेट देखने को मिलेगा। इस कारण हर सत्र के साथ ही इसकी लोकप्रियता बढ़ रही है।

आईपीएल के दौरान प्रशंसकों को कई रोमांचक क्षण देखने को मिले हैं। इस टूर्नामेंट में अब तक 87 शतक लगाए जा चुके हैं जबकि 22 हैट्रिक बनी हैं। आरसीबी के विराट कोहली के नाम आईपीएल में सबसे ज्यादा 7 शतक हैं जबकि सबसे अधिक तीन हैट्रिक लेग स्पिनर अमित मिश्रा के नाम हैं। आईपीएल में दो अवसर ऐसे आए हैं जब किसी एक टीम के ही दो बल्लेबाजों ने पारी में शतक जमाए हैं। इसके अलावा 2017 के सत्र में एक ही दिन में दो गेंदबाज हैट्रिक बनाने में सफल रहे हैं।

एक पारी में दो बल्लेबाजों के शतक जमाने का अवसर पहली बार आईपीएल 2016 में आया था जब 14 मई को आरसीबी के एबी डिविलियर्स और विराट कोहली ने गुजरात लायंस के खिलाफ शतक लगाये थे। इससे आरसीबी टीम 20 ओवरों में 3 विकेट पर 248 रन बनाने में सफल रही थी। गुजरात लायंस 18.4 ओवर में 104 पर ही आउट हो गई थी और मैच 144 रन के बड़े अंतर से हार गई थी। आईपीएल की एक पारी में दो बल्लेबाजों के शतक जड़ने का कारनामा आईपीएल 2019 में फिर दोहराया गया जब सनराइजर्स हैदराबाद के डेविड वॉर्नर और जॉनी बेयरस्टो ने आरसीबी के खिलाफ शतक लगाये। इस मैच में सनराइजर्स ने 20 ओवरों में दो विकेट पर 231 रन बनाये और फिर आरसीबी को 113 रन पर ही समेट दिया। ये मैच सनराइजर्स टीम 118 रन से जीती थी।

एक ही दिन दो हैट्रिक बनने की बात करें तो ऐसा 2017 में सैमुअल बद्री और एंड्रूय टाय ने यह हैट्रिक दर्ज की थीं। हालांकि बद्री की इस हैट्रिक के बावजूद आरसीबी को 4 विकेट की हार का सामना करना पड़ा था

14 अप्रैल को ही राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स और गुजरात लायंस (ंइ़ए ३े उथ) के अगले मैच में भी हैट्रिक बनी थी। यह हैट्रिक गुजरात लायंस के तेज गेंदबाज एंड्रयू टाय ने बनाई थी। मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे टाय ने चार ओवर के स्पैल में 17 रन देकर पांच विकेट लिए थे. पारी के 20वें ओवर की अपनी पहली तीन गेंदों पर उन्होंने अंकित शर्मा, मनोज तिवारी और शार्दुल ठाकुर को आउट कर हैट्रिक पूरी की थी

इसे संयोग ही माना जाएगा कि 14 अप्रैल 2017 को बनी दोनों हैट्रिक का सीक्वेंस एक जैसा रहा। बद्री और टॉय दोनों ने पहले दो विकेट कैच आउट के तौर पर और आखिरी विकेट बोल्ड के तौर पर लिया।

प्रत्यक्ष कर संग्रह 20 फीसदी बढ़कर 18.90 लाख करोड़ पहुंचा

- पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में प्रत्यक्ष कर संग्रह 15,76,776 करोड़ था

नई दिल्ली (ईएमएस)। चालू वित्त वर्ष में 17 मार्च तक प्रत्यक्ष कर संग्रह (डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन) में 19.88 फीसदी बढ़ोतरी देखी गई है। यह बढ़कर 18.90 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया है। आयकर विभाग के निकाय केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कहा कि 17 मार्च तक कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह 18,90,259 करोड़ रुपए रहा है। इसमें 9,14,469 करोड़ रुपए कॉरपोरेट टैक्स और व्यक्तिगत आयकर के अलावा 9,72,224 करोड़ रुपए का सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) भी शामिल है। इसके साथ चालू वित्त वर्ष में 17 मार्च तक करीब 3.37 लाख करोड़ रुपए का रिफंड भी जारी किया जा चुका है। सकल आधार पर रिफंड समायोजन से पहले कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह 22.27 लाख करोड़ रुपए था। यह एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 18.74 फीसदी ज्यादा है। सीबीडीटी ने कहा ?कि वित्त वर्ष 2023-24 में 17 मार्च तक प्रत्यक्ष कर संग्रह के अस्थायी आंकड़े बताते हैं कि शुद्ध टैक्स संग्रह 18,90,259 करोड़ रुपए है जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 15,76,776 करोड़ रुपए था। यह वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में 19.88 फीसदी अधिक है। सरकार ने प्रत्यक्ष कर संग्रह के संशोधित अनुमान में पूरे वित्त वर्ष के लिए प्राप्तियां 19.45 लाख करोड़ रुपए रहने की उम्मीद जताई है। ज्यादा टैक्स कलेक्शन से सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक सेवाओं में सुधार के लिए इस पैसे का उपयोग कर सकती है। ज्यादा टैक्स कलेक्शन से सरकार का राजकोषीय घाटे में कमी आएगी। इससे अर्थव्यवस्था में स्थिरता आएगी। सरकार इस पैसे का उपयोग आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कर सकती है।

शेयर बाजार हल्की तेजी के साथ बंद

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बीच ही खरीदारी से भी बाजार ऊपर आया है पर फेड के फैसलों को देखते हुए निवेशकों ने खरीददारी में सतर्कता बरती जिससे बाजार की तेजी पर अंकुश भी लगा रहा। आज कारोबार के दोर व्यापक बाजारों में भी बीएसई मिडकैप 0.05 फीसदी बढ़ा, जबकि स्मॉलकैप सूचकांक में भी 0.14 फीसदी की गिरावट रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 89.64 अंक करीब 0.12 फीसदी बढ़कर 72,101.69 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज निफ्टी में भी 21.65 अंक तकरीबन 0.1 फीसदी बढ़त आई। निफ्टी दिन के अंत में 21,839.10 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में मारुति सुजुकी, नेस्ले इंडिया, पावर ग्रिड, आईटीसी, टेक महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फाइनेंस और एसबीआई के शेयर लाभ के साथ ही उछले हैं। दूसरी ओर टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, एचयूएल, जेएसडब्ल्यू स्टील और एचसीएल टेक के शेयर गिरे हैं।

वहीं गत दिवस बाजार नीचे आया था। इस दौरान टीसीएस, इन्फोसिस और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे शेयरों में गिरावट आई थी। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई है। सेंसेक्स और निफ्टी हरे निशान में खुलते हुए दिखाई दिये। मिडकैप इंडेक्स भी मजबूत खुला है। वहीं अमेरिकी बाजारों के हाल पर नजर डालें तो लगातार दूसरे दिन अमेरिकी बाजार में तेजी बरक़रार है। एसएंडपी 500 में रिकॉर्ड क्लोजिंग और डाओ एक महीने की ऊंचाई पर है। वहीं नैस्डैक में भी 60 अंकों की तेजी दर्ज की गई। स्मॉलकैप 2000 में भी करीबन आधे फीसदी की तेजी देखी गई है।

सोना 65 हजार के पार, चांदी भी चमकी

- सोना 65,600, चांदी लगभग 75,300 रुपए

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत बुधवार को तेजी के साथ हुई है। देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोना 65,600 रुपये और चांदी 75,300 रुपये के करीब कारोबार कर रही है। वहीं वै?श्विक बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। चांदी के वायदा भाव सुस्त शुरुआत के बाद सुधर गए। सोने के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 16 रुपये की तेजी के साथ 65,599 रुपये के भाव पर खुलकर 45 रुपये की तेजी के साथ 65,628 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रैक्ट 39 रुपये की तेजी के साथ 75,326 रुपये के भाव पर खुलकर 23 रुपये की तेजी के साथ 75,310 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने के वायदा तेजी के साथ खुले, जबकि चांदी की शुरुआत सुस्त रही। हालांकि बाद में इसके भाव में सुधार देखने को मिला। कॉमेक्स पर सोना 2,161.39 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,159.70 डॉलर था। ?फिलहाल यह 2.40 डॉलर की तेजी के साथ 2,162.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 25.09 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 25.13 डॉलर था। हालांकि खबर लिखे जाने के समय यह 0.02 डॉलर की तेजी के साथ 25.15 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

एआई से संबंधित स्टार्टअप के लिए 2,000 करोड़ की योजनाः अधिकारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने कृत्रिम मेधा (एआई) से संबंधित स्टार्टअप के वित्तपोषण और समर्थन के लिए 2,000 करोड़ रुपए से ज्यादा रकम आवं?टित की है और अगले वित्त वर्ष में यह योजना शुरू होगी। ऐसी जानकारी ?मिली है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत गठित स्टार्टअप हब के एक व?रिष्ठ अधिकारी ने हाल ही में यहां स्टार्टअप महाकुंभ में कहा कि सरकार सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए डिजाइन-संबद्ध प्रोत्साहन जैसी योजनाओं के माध्यम से प्राथमिकता क्षेत्र के लिए एक बड़ा वित्तपोषण कार्यक्रम चला रही है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल से भारत एआई मिशन को मिली मंजूरी के तहत देश में एआई पारिस्थितिकी के समर्थन के लिए 10,000 करोड़ रुपए आवंटित किए जा रहे हैं। इसमें से 2,000 करोड़ रुपए से अधिक रकम एआई से जुड़े स्टार्टअप के समर्थन एवं वित्तपोषण के लिए आवंटित की गई है। उन्होंने कहा ?कि हम इन कार्यक्रमों और योजनाओं को लागू करने के लिए व्यवस्था बनाने पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। इसे आगामी वित्त वर्ष के अंदर शुरू करना चाहिए। मंत्रिमंडल ने देश में एआई विकास के लिए 10,372 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ भारत एआई मिशन को हाल ही में मंजूरी दी है। विजय ने कहा कि स्टार्टअप हब वर्तमान में पूरे भारत में 143 इनक्यूबेटर और उत्कृष्टता केंद्रों को समर्थन और वित्तपोषण दे रहा है। इसके साथ कोषों का कोष के जरिये सभी स्टार्टअप को संकल्पना स्तर से विकास स्तर तक वित्तपोषण दिया जा रहा है।

अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक केंद्र बनेगाः आईएचसीएल सीईओ

अयोध्या (ईएमएस)। राम मंदिर के निर्माण के बाद से अयोध्या का कायाकल्प हो गया है। पर्यटकों की संख्या को देखते हुए शहर के इंफास्ट्रक्चर में तेजी से सुधार किया जा रहा है। इससे अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक केंद्र बनने की राह चल रहा है। इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा कि अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक केंद्र बनने की राह पर है। राम मंदिर के निर्माण के बाद से शहर के इंफास्ट्रक्चर में सुधार हो रहा है। भारी संख्या में रामलला के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का आगमन अयोध्या में हो रहा है। उन्होंने इस धारणा को खारिज कर दिया कि लॉकडाउन के हटने के बाद लोगों के मन में घूमने की ललक बढ़ी है। इस कारण से पयटर्न उद्योग में हालिया उछाल देखी गई। उन्होंने कहा ?कि लोग यात्रा कर रहे हैं क्योंकि उनके पास खर्च करने योग्य आय अधिक है, उनकी प्राथमिकताएं बदल गई हैं और एक फील-गुड फैक्टर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन किया। प्रीमियम ताज होटल और रिसॉर्ट्स का स्वामित्तव रखने वाली आईएचसीएल ने अयोध्या में सेलेक्शन्स, विवांता और जिंजर ब्रांडों में तीन होटलों पर हस्ताक्षर किए हैं।

कनाडा पर गहराया मंदी का साया, सरकारी आंकड़ों में इकॉनमी मजबूत

टोरंटो(ईएमएस)। ब्रिटेन सहित दुनिया के कई देश इनदिनों मंदी की चपेट में हैं। जापान बाल-बाल इस मंदी से बचा है, लेकिन अब कनाडा के मंदी में फंसने का खतरा पैदा हो गया है। देश में बैंकरप्सी के लिए आवेदन करने वाली कंपनियों की संख्या तेजी से बढ़ी है। केवल जनवरी में ही 800 से अधिक कंपनियों ने बैंकरप्सी के लिए आवेदन किया। इससे पहले 2023 में देश में बैंकरप्सी फाइलिंग में करीब 40 फीसदी की तेजी देखने को मिली। अभी जितनी कंपनियां बैंकरप्सी के लिए आवेदन कर रही हैं, वह संख्या 13 साल में सबसे ज्यादा है। कोरोना काल के दौरान कंपनियों को 45,000 डॉलर का ब्याज मुक्त लोन दिया गया था, इस चुकाने की डेडलाइन जनवरी 2024 में खत्म हुई थी। कनाडा की जीडीपी में छोटी कंपनियों की करीब 33 फीसदी हिस्सेदारी है।

कनाडा के सरकारी आंकड़ों की मानें तब देश की इकॉनमी मजबूत बनी हुई है। लेकिन छोटी कंपनियों और कई कंज्यूमर्स को संघर्ष करना पड़ रहा है। दिसंबर में कनाडा की इकॉनमी के 0.3 फीसदी बढ़ने की संभावना है। इस तरह चौथी तिमाही में इसमें 1.2 फीसदी की तेजी की संभावना है। तीसरी तिमाही में देश की जीडीपी में 1.1 फीसदी गिरावट रही थी। लगातार दो तिमाहियों में गिरावट को मंदी कहा जाता है।

कनाडा के राष्ट्रपति जस्टिन ट्रूडो ने पिछले साल भारत से पंगा लिया था। ट्रूडो ने खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ बताया था। इसके बाद से दोनों देशों के बीच तनाव काफी बढ़ गया था।

वर्तमान में ब्रिटेन सहित दुनिया के आठ देश मंदी में फंसे हैं। इसमें ब्रिटेन के अलावा डेनमार्क, एस्तोनिया, फिनलैंड, लक्जमबर्ग, मोल्दोवा, पेरू और आयरलैंड शामिल हैं। दिलचस्प बात है कि इनमें से छह देश यूरोप के हैं। इस लिस्ट में अफ्रीका और नॉर्थ अमेरिका का कोई देश नहीं है। जापान मंदी से बाल-बाल बचा है। कई और देशों पर भी मंदी का खतरा मंडरा रहा है। इनमें जर्मनी भी शामिल है। यूरोप की यह सबसे बड़ी इकॉनमी कई मोर्चों पर संघर्ष कर रही है। चीन में हालात भी लगातार खराब होते जा रहे हैं।

बंगाल में कांग्रेस और वामपंथ को पछाड़ टीएमसी के खिलाफ फ्रंटफुट पर भाजपा

-भाजपा का दावा बढ़ रहा है जनाधार

कोलकाता,(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल की सियासत में भारतीय जनता पार्टी ने बीते 10 वर्षों में अपने कुनबे का इतना विस्तार कर लिया है कि वह अब कांग्रेस और वामपंथ को हाशिए पर धकेलकर सीधे सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से जंग लड़ने के लिए तैयार है। भाजपा नेताओं का दावा है कि पिछले दो दशकों में बंगाल की सियासत में नए मुकाम दिखाई दिए हैं। इस दौरान 1998 में अस्तित्व में आई टीएमसी ने वामपंथियों का राज्य से असर कम कर दिया और भाजपा ने वर्तमान में वामपंथ और कांग्रेस को निचोड़ कर टीएमसी के सामने दीवार बनकर खड़ी हो चुकी है।

टीएमसी ने राज्य की 42 लोकसभा सीटों पर उम्मीदवार घोषित करके कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक की उम्मीदों को झटका दिया है। हालांकि भाजपा ने 20 सीटों पर ही अपने उम्मीदवारों का ऐलान किया है। जबकि वामपंथ ने 16 सीटों की घोषणा की है और कांग्रेस के साथ तालमेल बिठाने के प्रयास कर रही है। वाम मोर्चा सीटों के बंटवारे को लेकर कांग्रेस के विफल रहने पर अपनी नाराजगी भी जाहिर कर चुका है।

2011 में सत्ता में आने के बाद टीएमसी ने 2014 के लोकसभा चुनाव में सबसे अधिक 34 सीटें जीती थी। इस दौरान भाजपा को 2, कांग्रेस को 4 और वामपंथ को 2 सीटें हासिल हुई थी। इसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में टीएमसी 34 सीटों से सिमट कर 22 पर पहुंची। जबकि भाजपा 2 सीटों से बढ़कर 18 सीटों पर काबिज हो गई। इस चुनाव में वामपंथियों का खाता ही नहीं खुल पाया था, जबकि कांग्रेस 4 सीटों से 2 पर आकर ठहर गई।

वहीं विधानसभा चुनाव में राज्य में टीएमसी ने 2016 के चुनाव में 211 सीटें और 2021 में 215 सीटें जीती हैं। जबकि भाजपा ने चुनाव में अपना सफर महज 3 सीटों से शुरू किया था। जबकि यह 2021 में बढ़कर 77 सीटों तक जा पहुंचा है। यही वजह है कि 2016 में क्रमशः 44 और 33 सीटें जीतने वाली कांग्रेस और लैफ्ट के ग्राफ में 2021 में भारी गिरावट दर्ज की गई।

भाजपा का कहना है कि सियासी अखाड़े में जमीनी स्तर पर अब वह भी नजर आने लगी है। 2019 के आम और 2021 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने सत्तारूढ़ टीएमसी वोट शेयर और सीटों के अंतर को काफी कम कर दिया है। यहां उल्लेखनीय यह भी है कि भाजपा ने लोकसभा चुनाव में बंगाल के उत्तरी और पूर्वी क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन किया था, जहां कभी वामपंथियों का दबदबा था।

बंगाल की लोकसभा और विधानसभा वोट शेयर की बात करे तब टीएमसी ने 2014 और 2019 के बीच इसमें 3.9 फीसदी इजाफा किया, लेकिन 2014 के मुकाबले 12 कम सीटें जीतीं। जबकि इस दौरान भाजपा के वोट शेयर में 23.6 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। कांग्रेस के वोट शेयर में 4 फीसदी और लेफ्ट के वोट शेयर में 22.4 फीसदी की गिरावट आई। भाजपा ने 2014 के लोकसभा चुनाव में इसका वोट शेयर 17 फीसदी था और 2019 तक यह 40 फीसदी हो गया। विधानसभा की बात करें तब 2016 में भाजपा ने 10.2 फीसदी वोट हासिल किए थे, जोकि 2021 के चुनाव में 38 फीसदी तक पहुंच गए।

स्पेशल कमांडो मार्कोस के जोरदार एक्शन से चीन को सांप सूंघ गया, अमेरिका दिल खोलकर तारीफ कर रहा

सोमालियाई समुद्री लुटेरों के खिलाफ की स्ट्राइक

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। भारतीय नौसेना के स्पेशल कमांडो मार्कोस ने भारत की जमीन से सैकड़ों किमी दूर सोमालियाई समुद्री लुटेरों के खिलाफ जोरदार एक्शन दुनिया को हैरान कर दिया है। कमांडो मार्कोस की कार्रवाई से चीन को सांप सूंघ गया है, वहीं अमेरिका दिल खोलकर तारीफ कर रहा है। वहीं अमेरिकी मीडिया में भी भारतीय नौसेना की कार्रवाई की जमकर चर्चा हो रही है। एक अमेरिकी सैन्य विशेषज्ञ ने इतना तक कह दिया कि समुद्री डाकुओं के जहाज पर कब्जा करना यह दर्शाता है, कि मार्कोस कमांडो दुनिया में मौजूद सर्वश्रेष्ठ स्पेशल फोर्सेस में शामिल हैं। इसके पहले मार्कोस कमांडो ने पैराशूट के जरिए जोरदार कार्रवाई की और बड़ी संख्या में सोमालियाई समुद्री डाकुओं को हिरासत में ले लिया।

करीब 2 दिन तक चली कार्रवाई के दौरान भारतीय कमांडो ने चालक दल के 17 सदस्यों को मुक्त कराया था। इस कार्रवाई के दौरान भारतीय नौसैनिकों को कोई नुकसान नहीं हुआ। इस विमान ने भारत से करीब 2500 किमी की दूरी पर मार्कोस कमांडो को उतारकर दुनिया को हैरान कर दिया। इस पूरी कार्रवाई के दौरान एक नौसैनिक ड्रोन विमान और पी8 निगरानी विमान भी गश्त लगा रहा था।

अमेरिका के काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशन इंटरनेशनल अफेयर्स के जॉन ब्रैडफोर्ड ने कहा कि यह सफलता दर्शाती है कि भारतीय नौसेना ट्रेनिंग, कमांड एंड कंट्रोल और अन्य क्षमता में दुनिया में टॉप क्लास की है। उन्होंने कहा, इस अभियान को जो चीज आकर्षक बनाती है,वहां यहां हैं कि किस तरह से युद्धपोत, एयरक्राफ्ट और मरीन कमांडो की मदद से कार्रवाई की गई और खतरे को कम से कम किया गया।

यमन और सोमालिया दोनों ही दुनिया के सबसे गरीब देशों में शामिल हैं। कई वर्षो से गृहयुद्ध से जूझ रहे हैं। सोमालियाई लुटेरे हाल ही में करीब 7 साल बाद एक जहाज पर कब्जा करने में सफल हो गए थे। इन लुटेरों से निपटने के लिए भारत, स्पेन और जापान के युद्धपोत लगातार इलाके में गश्ती अभियान चला रहे हैं। भारत ने आईएनएस कोलकाता डेस्ट्रायर को तैनात किया है जो घातक हथियारों से लैस है ताकि सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सके। भारतीय नौसेना ने पहले एक ड्रोन को भेजा ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या लुटेरे जहाज पर मौजूद हैं या नहीं। समुद्री लुटेरों ने इस ड्रोन को गोलियां दागकर नष्ट कर दिया।

चीन में सामने आया अब तक का सबसे बड़ा वित्तीय घोटाला

बीजिंग,(ईएमएस)। चीन में अब तक का सबसे बड़ा वित्तीय घोटाला सामने आया है। देश के रेगुलेटर्स ने दिवालिया हो चुकी रियल एस्टेट कंपनी एवरग्रेंड और उसके फाउंडर पर रेवेन्यू को 78 अरब डॉलर बढ़ाकर दिखाने का आरोप लगाया है। बता दें कि चीन के इतिहास में इस अब तक का सबसे बड़ा घोटाला माना जा रहा है। एवरग्रेंड दुनिया में सबसे ज्यादा कर्ज में डूबी कंपनी है। इस पर 300 अरब डॉलर से ज्यादा कर्ज है। 2021 में कंपनी ने कर्ज के भुगतान में डिफॉल्ट किया था जिसके बाद चीन में रियल एस्टेट का संकट खड़ा हो गया। चीन की इकॉनमी में रियल एस्टेट की हिस्सेदारी करीब 30 फीसदी है। इससे पूरी इकॉनमी के डूबने का खतरा पैदा हो गया है।

चीन के सिक्योरिटीज रेगुलेटरी कमीशन ने एवरग्रेंड ग्रुप की प्रमुख कंपनी हेंगदा रियल एस्टेट पर 58 करोड़ डॉलर का जुर्माना ठोक दिया है। एवरग्रेंड ग्रुप के फाउंडर और चेयरमैन जू जीयन पर 65 लाख डॉलर की पेनल्टी लगा दी है। उन पर कंपनी के वित्तीय रिकॉर्ड को बढ़ाचढ़ाकर दिखाने और नियमों का उल्लंघन करने का आरोप है। कभी चीन के सबसे बड़े रईस रहे ज़ू जीयन को हमेशा के लिए सिक्योरिटीज मार्केट से प्रतिबंधित किया गया है। आयोग ने करीब आठ महीने तक चली जांच के बाद एवरग्रेंड की करतूतों को उजागर किया है। जनवरी में हॉन्ग कॉन्ग के एक कोर्ट ने एवरग्रेंड को बेचने का ऑर्डर दिया था।

कंपनी पर अपनी वित्तीय रिपोर्ट्स में सेल्स को बढ़ाचढ़ाकर दिखाने का आरोप है। इस आधार पर कंपनी ने अपने बॉन्ड ब्रिकी किए थे। रेगुलेटर के मुताबिक हेंगदा ने 2019 में 30 अरब डॉलर की सेल दिखाई थी जो उसके रेवेन्यू का करीब आधी थी। इसी तरह कंपनी ने 2020 में 48.6 अरब डॉलर की सेल दिखाई थी जो उसके रेवेन्यू का 78 प्रतिशत थी। लेकिन जांच में पता चला कि कंपनी ने आंकड़ों को बढ़ाचढ़ाकर पेश किया था।

बलूचिस्तान के ग्वादर पोर्ट पर आतंकी हमला

सुरक्षाबलों ने आठ बंदूकधारी मार गिराए

कराची(ईएमएस)। बलूचिस्तान में ग्वादर बंदरगाह पर आतंकी हमला हुआ है। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बंदूकों और विस्फोटकों से लैस अज्ञात हमलावर अचानक से पाकिस्तान में ग्वादर पोर्ट अथॉरिटी (जीपीए) परिसर घुस गए और फिर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। कथित तौर पर हमलावर पोर्ट के अंदर स्थित इमारत में घुस गए। स्थानीय सुरक्षाकर्मियों ने इलाके की घेराबंदी कर जवाबी कार्यवाही शुरू कर दी है। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस और सुरक्षा बलों ने आठ सशस्त्र हमलावरों को मार गिराया है।

परिसर के अंदर से जोरदार धमाकों और जबरदस्त फायरिंग से आसपास का इलाका दहल गया। जीपीए पाकिस्तान के तीसरे सबसे बड़े बंदरगाह के निर्माण स्थल ग्वादर बंदरगाह की मेजबानी के अलावा विभिन्न सरकारी प्रतिष्ठानों के केंद्र के रूप में कार्य करता है। यह हमला ग्वादर बंदरगाह पर हुआ, जहां चीनी इंजीनियर वर्तमान में व्यापक निर्माण कार्य में लगे हुए हैं। यह बंदरगाह महत्वाकांक्षी चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) का हिस्सा है, जो बीजिंग के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) का केंद्र बिंदु है। यहां बड़ी संख्या में चीनी कर्मचारी भी काम कर रहे हैं। चीनी ठिकानों पर पहले भी पाकिस्तान में कई आतंकवादी समूहों द्वारा हमला किया जा चुका है। अगस्त 2023 में बंदूकधारियों ने ग्वादर में चीनी श्रमिकों के एक काफिले पर हमला किया और अलगाववादी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने हमले की जिम्मेदारी ली। इस घटना के बाद चीनी कर्मियों की सुरक्षा भी खतरे में आ गई है।

2021 में ग्वादर बंदरगाह को लेकर हुआ था समझौता

आपको बता दें कि चीन-पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडोर परियोजना में ग्वादर बंदरगाह बेहद महत्वपूर्ण है। ये अरब सागर तक चीन की पहुंच के लिए बेहद अहम बंदरगाह है। पिछले साल दिसंबर में पाकिस्तान और चीन ग्वादर बंदरगाह को सीपीईसी के तहत लाने के लिए राजी हुए थे। दोनों देशों ने मिलकर ये समझौता किया था कि वो ग्वादर बंदरगाह की पूरी क्षमता का सीपीईसी के तहत इस्तेमाल करेंगे जिससे पाकिस्तान और चीन, दोनों को फायदा होगा।सीपीईसी प्रोजेक्ट पाकिस्तान के बलूचिस्तान में ग्वादर पोर्ट को चीन के शिंजियांग प्रांत से जोड़ता है। ये चीन की महत्वाकांक्षी अरबों डॉलर की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव की प्रमुख परियोजना है। चीन-पाकिस्तान के बीच सीपीईसी परियोजना की शुरुआत साल 2013 में हुई थी। इसके तहत, चीन पाकिस्तान में कई आधारभूत परियोजनाओं में निवेश कर रहा है। चीन ने सीपीईसी की शुरुआत में कहा था कि वो इस प्रोजेक्ट में 46 अरब डॉलर निवेश करेगा लेकिन 2017 के आते-आते परियोजना की कीमत 62 अरब डॉलर हो गई। भारत शुरुआत से ही सीपीईसी का विरोध करता आया है क्योंकि ये प्रोजेक्ट पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से होकर गुजरता है। भारत इस क्षेत्र में किसी भी तरह के विदेशी निवेश को अस्वीकार्य बताता है।

प्राइमरी चुनाव में बाइडन-ट्रंप ने कई राज्यों में की जीत दर्ज

वाशिंगटन,(ईएमएस)। ओहायो, इलिनोइस, कंसास, फ्लोरिडा और एरिजोना में रिपब्लिकन पार्टी के प्राइमरी चुनाव हुए। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को प्राइमरी चुनाव में जीत दर्ज की। कंसास, ओहायो, इलिनोइस और एरिजोना में हुए चुनाव में जो बाइडन 80 फीसदी से ज्यादा मत पाकर विजयी रहे हैं। अभी तक आए नतीजों के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप ने एरिजोना, फ्लोरिडा में जीत दर्ज कर ली है। वहीं अन्य राज्यों में भी उनकी जीत तय है। डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से जो बाइडन उम्मीदवार हैं। वहीं रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति पद के दावेदार हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने भी अपने गृह राज्य फ्लोरिडा में प्राइमरी चुनाव के लिए मतदान किया। मतदान के बाद ट्रंप ने कहा कि मैंने डोनाल्ड ट्रंप के लिए वोट किया है। राष्ट्रपति चुनाव जैसे जैसे नजदीक आ रहे हैं। ट्रंप और बाइडन का प्रचार भी तेज हो रहा है। इसी के तहत बाइडन ने मंगलवार को नेवादा और एरिजोना का दौरा किया। इन दोनों राज्यों में पिछले राष्ट्रपति चुनाव के दौरान बाइडन और ट्रंप में करीबी मुकाबला हुआ था। ऐसे में दोनों नेता कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप, दोनों ही एक दूसरे पर तीखे हमले कर रहे हैं। जो बाइडन ने जहां डोनाल्ड ट्रंप को लोकतंत्र के लिए खतरा बताया है, वहीं ट्रंप ने जो बाइडन को मानसिक रूप से अनफिट बताया।

हम 2047 तक उस भारत की कल्पना कर रहे हैं, जहाँ महिलाएँ खुद से सशक्त हों

-संयुक्त राष्ट्र में राजदूत रुचिरा कंबोज का बयान

जिनेवा (ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि ने महिलाओं के नेतृत्व वाली विकास पहलों पर जोर देकर कहा कि देश का लक्ष्य 2047 तक विकसित भारत का है, जिसके लिए सभी क्षेत्रों में उनकी की पूर्ण और समान भागीदारी की जरुरत है। महिलाओं की स्थिति पर एक विशेष कार्यक्रम को संबोधित कर राजदूत रुचिरा कंबोज ने कहा कि हम एक उस भारत की कल्पना करते हैं, जहाँ महिलाएँ खुद से सशक्त हों। उन्होंने 2047 तक पूर्ण विकसित भारत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के बारे में बताया कि भारत सरकार महिलाओं की सार्थक भागीदारी के माध्यम से अपार शक्ति को पहचानती है, जो महिला विकास से महिला नेतृत्व वाले विकास की ओर बढ़ रही है।

वर्तमान में, वैश्विक स्तर पर 10.3 प्रतिशत महिलाएँ अत्यधिक गरीबी में रह रही हैं। भारत ने संयुक्त राष्ट्र को महिलाओं की स्वास्थ्य सुरक्षा, शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता को संबोधित करके उन्हें सशक्त बनाने के लिए देश में लागू की जा रही एक बहुआयामी रणनीति के बारे में बताया। उदाहरण का हवाला देकर उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, 759 वन-स्टॉप सेंटरों का एक मजबूत नेटवर्क एकीकृत समर्थन और सहायता प्रदान करता है, जिससे 8.3 लाख से अधिक महिलाएँ लाभान्वित हो रही हैं।

उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम कन्या भ्रूण हत्या को रोकने के मूल कारणों को लक्षित करता है। उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप जन्म के समय लिंगानुपात में प्रति एक हजार पुरुषों पर 918 महिलाओं से सुधरकर 933 महिलाओं तक पहुँच गया है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, 43 प्रतिशत के साथ, भारत विश्व स्तर पर स्टेम विषयों (साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग एंड मैथ) में नामांकित महिलाओं के उच्चतम अनुपात वाले देशों में से एक है। यह कहते हुए कि देश में महिलाएँ आज आसमान छू रही हैं, उन्होंने बताया कि नागरिक उड्डयन में 15 प्रतिशत महिला पायलट हैं, जो वैश्विक औसत पाँच प्रतिशत से काफी अधिक है।

इसके अलावा, 2014-15 के बाद से महिलाओं द्वारा पेटेंट दाखिल करने में भी 500 गुना से अधिक की वृद्धि हुई है और 55 हजार से अधिक स्टार्टअप में 67 हजार से अधिक महिला निदेशक हैं। जमीनी स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए स्टार्ट-अप इंडिया स्टैंड-अप इंडिया योजना से महिला उद्यमियों को लाभ हुआ है। इसमें महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप के लिए 10 प्रतिशत धनराशि आरक्षित है।

ज्वालामुखी विस्फोट से लावा निकलेगा तो धरती कैसे ठंडी होगी

-वैज्ञानिकों ने समझाया, कैसे होगा धरती का तापमान कम

वाशिंगटन (ईएमएस)। वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर बहुत ही ताकतवर ज्वालामुखी फटता है और लावा निकलता है तो धरती का तापमान कम होता है। वैज्ञानिकों की इस बात से सवाल उठना लाजिमी है कि अगर ज्वालामुखी विस्फोट में धधकता हुआ लावा निकलेगा तो धरती ठंडी कैसे होगी? जबकि, अमूमन यही देखा गया है कि ज्वालामुखी के फटने पर आसपास का तापमान अचानक बहुत ज्यादा बढ़ जाता है।

शोधकर्ताओं का दावा है कि जब दुनिया के सबसे ताकतवर ज्वालामुखी फटते हैं तो धरती का तापमान बढ़ने के बजाय कम हो जाता है। ज्वालामुखी में होने वाले धमाके वैज्ञानिकों को धरती के इतिहास में हुए कूलिंग पीरियड को समझाने में भी मदद करते हैं। अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा की ग्लोबल क्लाइमेट चेंज रिपोर्ट के मुताबिक, हर कुछ दशक में सबसे ताकतवर ज्वालामुखी विस्फोट में बड़ी मात्रा कण और गैस निकलती हैं। ये सूरज की रोशनी को सीधे धरती तक आने में रुकावट पैदा करते हैं। यही रुकावट ग्लोबल कूलिंग पीरियड के हालात तैयार करती है। जब दुनिया के सबसे शक्तिशाली ज्वालामुखियों में विस्फोट होता है तो ठंड का दौर 1 से 2 साल तक चलता है। ये इतना प्रभावी होता है कि पूरी दुनिया में इसका असर महसूस होता है। कुछ शोध का दावा है कि कभी-कभी ग्लोबल कूलिंग इतनी ज्यादा हो जाती है कि खतरा पैदा कर देती है।

नासा के गोडार्ड इंस्टीटयूट फॉर स्पेस स्टडीज और न्यूयॉर्क की कोलंबिया यूनिवर्सिटी के नए शोध में पिछले अध्ययनों कर रिपोर्ट्स में किए गए ऐसे दावे की जांच की गई है। अब तक शोधकर्ता सबसे शक्तिशाली ज्वालामुखी धमाकों के असर का सटीक अनुमान नहीं लगा पाए हैं। हालांकि, पूर्व में किए गए अध्ययन अनुमान लगाते हैं कि इससे धरती 2 से 8 डिग्री सेल्सियस तक ठंडी हो जाती है। इसे वोल्केनिक विंटर भी कहा जाता है। नए अध्ययन में वोल्केनिक विंटर की आशंका बेहद कम आंकी गई है। एक ताजा रिपोर्ट में शोधकर्ताओं ने 74,000 साल पहले सुमात्रा के टोबा ज्वालामुखी विस्फोट जैसे जबरदस्त धमाके को कंप्यूटर मॉडलिंग के जरिये समझाने की कोशिश की है। इसमें पाया गया कि सबसे शक्तिशाली विस्फोट के बाद धरती के तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा की कमी नहीं आएगी।

वैज्ञानिक ज्वालामुखी विस्फोटों को उनके छोड़े जाने वाले मैग्मा के आधार पर बांटते हैं। इसके मुताबिक, जब कोई ज्वालामुखी 1,000 क्यूबिक किलोमीटर से ज्यादा मैग्मा छोड़ता है तो उसे सुपर विस्फोट कहते हैं। ये विस्फोट बेहद शक्तिशाली होने के साथ-साथ दुर्लभ होते हैं। सबसे हालिया सुपर-विस्फोट 22,000 साल से भी पहले न्यूजीलैंड में हुआ था। करीब 20 साल पहले व्योमिंग में भी सुपर विस्फोट हुआ था। बता दें कि ज्वालामुखी विस्फोट में कार्बन डाइऑक्साइड जैसी ग्रीनहाउस गैस भी निकलती है। ज्यादातर लोग जानते होंगे कि ग्रीनहाउस गैसें धरती का तापमान बढ़ाती हैं। इसीलिए दुनिया के सभी देश ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन की रोकथाम की दिशा में काम कर रहे हैं।

वडोदरा में बीजेपी की मौजूदा प्रत्याशी के खिलाफ लगाए गए पोस्टर

पोस्टर में मौजूदा प्रत्याशी के टिकट में बदलाव करने की मांग रखी गई

अहमदाबाद, २० मार्च ।

गुजरात में बीजेपी के मजबूत गढ़ वडोदरा में बीजेपी विधायक केतन इनामदार के इस्तीफा वापस लेने के बाद अब पोस्टर वॉर सामने आया है। राजस्थान में वंसुधरा राजे सिंधिया के विरोध की तर्ज पर गुमनाम पोस्टर लगाए गए हैं। इनमें 'पीएम मोदी से कोई दिक्कत नहीं, लेकिन रंजनबेन मंजूर नहीं' के स्लोगन लिखे हुए हैं।

वडोदरा शहर में सामने आए इन बैनरों ने बीजेपी को नई मुश्किल में डाल दिया है। २०१४ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद वडोदरा से बड़ी जीत हासिल की थी। इसके बाद हुए उप चुनाव में रंजनबेन जीतकर सांसद बनी थीं। पार्टी ने २०१९ में चुनावों में उन्हें दूसरी बार टिकट दिया था। तब रंजनबेन रिकॉर्ड मार्जिन से जीती थीं। उनकी जीत देश की १० सबसे बड़ी जीत में शामिल रही थी, लेकिन तीसरी बार टिकट मिलने पर पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. ज्योति पंड्या ने उनका विरोध किया था। रंजनबेन की उम्मीदवारी के विरोध के बाद अब शहर में पोस्टर लगाए गए हैं। इनमें पीएम मोदी से स्नेह की बात कहते हुए रंजनबेन की उम्मीदवारी का विरोध किया है।

बीजेपी ने गुजरात की २६ लोकसभा सीटों में २२ सीटों पर अपने उम्मीदवार तय कर दिए हैं। सिर्फ सीटों के लिए नामों का ऐलान होना बाकी रह गया है। पार्टी ने अभी चार महिलाओं को टिकट दिया है। इनमें रंजनबेन का नाम भी शामिल हैं। पार्टी ने अभी तक सिर्फ दो महिला सांसदों को ही रिपीट किया है। बीजेपी के बेहद मजबूत गढ़ में मौजदा सांसद के विरोध से बीजेपी बनाम बीजेपी की स्थिति बन गई है। इन पोस्टर में टिकट बदलने की मांग की जा रही है। वडोदरा बीजेपी की सेफ सीट में गिनी जाती है। यहां से पहले भी कई महिलाएं सांसद रह चुकी हैं। इनमें रामायण फेम सीता अभिनेत्री दीपिका चिखलिया का नाम भी शामिल है। कांग्रेस ने अभी तक वडोदरा सीट के लिए अपने उम्मीदवार के नाम का ऐलान नहीं किया है।

वडोदरा में विरोध पर रंजन बेन भट्ट ने कहा है कि लोकसभा क्षेत्र की जनता खुश है। ये किसी की पार्टी को बदनाम करने की साजिश है। भट्ट ने कहा कि यह हरकत बीजेपी के कार्यकर्ताओं की नहीं है। बीजेपी के विरोधियों ने यह काम किया है। वडोदरा के प्रभारी मंत्री का दायित्व हर्ष संघवी के पास है, तो वहीं पूर्व गृह मंत्री प्रदीप सिंह जडेजा लोकसभा कलस्टर क्षेत्र प्रभारी है। इसके साथ ही पूर्व गृह मंत्री गोर्वधन झड़फिया मध्य गुजरात के प्रभारी हैं। सूत्रों की मानें तो पार्टी में सबकुछ ठीक नहीं होने के कारण मौजूदा सांसद ने टिकट घोषित होने के बाद अभी तक शहर बीजेपी के कार्यालय का भी दौरा नहीं किया है। अब देखना यह है कि गुजरात में हर सीट को बड़े मार्जिन से जीतने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही बीजेपी इस विरोध से कैसे निपटती है?

एसओजी का फर्जी क्लीनिकों पर छापा, बगैर किसी डिग्री मरीजों का इलाज कर रहे तीन शख्स गिरफ्तार

सूरत (ईएमएस) स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को साथ मिलकर शहर के डिंडोली में तीन अलग अलग फर्जी क्लीनिकों पर छापा मारकर बगैर किसी डिग्री के मरीजों का इलाज कर रहे तीन शख्सों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए तीनों फर्जी डॉक्टर पिछले 3 से 8 साल से अपने क्लीनिक चला रहे थे। सूरत के डीसीबी भगीरथ गढ़वी के मुताबिक पूर्व सूचना के आधार पर एसओजी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर शहर के डिंडोली क्षेत्र में चल रहे तीन अलग अलग फर्जी क्लीनिक पर रेड की और बगैर किसी डिग्री के एलोपेथी की प्रेक्टिश करते तीन नकली डॉक्टरों को दबोच लिया। इसके अंतर्गत सूरत के डिंडोली क्षेत्र की लक्ष्मीनारायण सोसायटी विभाग 1 स्थित मातोश्री में पुलिस ने रेड की। मातोश्री क्लीनिक के नकली डॉक्टर इंद्रेश दूधनाथ पाल को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। साथ ही उसके यहं से रु. 1.14 लाख साधन-सामग्री भी जब्त कर ली। इंद्रेश पाल पिछले 5 साल से फर्जी क्लीनिक चलाकर लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहा था। एसओजी ने दूसरा छापा मानसी रेसिडेन्सी के बगल स्थित हरीनगर सोसायटी में चल रहे मधुमिता नामक क्लीनिक पर मारा। यहां भी उत्तम बिमल चक्रवर्ती नामक शख्स बगैर किसी डिग्री के प्रेक्टिश करता था। पुलिस ने मधुमिता क्लीनिक से दवाई, इंजेक्शन समेत रु. 7415 का माल-सामान जब्त कर लिया। उत्तम चक्रवती पिछले 8 वर्ष से यह क्लीनिक चला रहा था। एसओजी ने डिंडोली क्षेत्र के शिवनगर सोसायटी स्थित साईं क्लीनिक रेड कर फर्जी डॉक्टर संजय रामकृपाल मौर्य को गिरफ्तार कर लिया। साईं क्लीनिक से पुलिस ने रु. 83 हजार से अधिक का माल सामान जब्त कर लिया। संजय मौर्य पिछले 3 साल से क्लीनिक चला रहा था।

१४ साल के लड़के ने ऑनलाइन गेम में मां को लगाया लाखों रुपए का चूना

परिणीता के १४ साल के बेटे ने ऐप पर गेम खेलना शुरू किया और देखते ही देखते रुपये जीतने लगा।

खेड़ा, २० मार्च ।

खेड़ा के कठलाल की ४२ वर्षीय महिला ने रविवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इसमें उन्होंने कहा कि उनके १४ साल के बेटे ने एक ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म पर भविष्यवाणी गेम इंस्टॉल किया था और खेला था। जिसमें उन्होंने एक बार में एक रुपया जोड़ा। एक लाख रुपये तक की रकम का नुकसान हुआ। उसके बेटे ने कहा मां मैं ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर एक गेम खेल रहा हूं जिसमें पैसे भी कमाए जा सकते हैं। शुरुआत में मां को नहीं पता था कि ये एक जुए की वेबसाइट है लेकिन बाद में पता चला।

बेटे ने कहा कि मम्मी कोई क्विज गेम है तो उसकी मां ने भी सोचा कि चलो ज्ञान बढ़ जाएगा। उन्होंने इस ऐप में कुछ सवालों के जवाब दिए और ४० रुपये भी जीते। यह रकम भी उनके बैंक में जमा थी। अब इस तरह उसे गेम की लत लग गई थी और वह बैक टू बैक जवाब दे रहा था। २६ फरवरी को उन्होंने कुछ सवालों के जवाब भी दिए और ४० रुपये जीते। इस तरह उसे इसकी लत लग गई और अगले दिन उसकी मां के फोन नंबर पर एक ओटीपी आया, जिसे उसने एक अज्ञात व्यक्ति को दे दिया।

अब एक घंटे बाद उसके पास मैसेज आया कि आपके बैंक खाते से एक लाख रुपये निकाले गए हैं। यह वही अकाउंट था जिससे उसने अपना फोन लिंक किया था। उन्होंने कहा कि यह धोखाधड़ी है और इस बारे में पुलिस से भी संपर्क किया गया। पुलिस ने भी घटना का संज्ञान लिया और शिकायत दर्ज की। गौरतलब है कि इससे पहले भी इस प्रोबो ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर नोटिस दिए गए थे। हरियाणा के आबकारी एवं कराधान विभाग ने भी १५०० करोड़ रुपये तक के नोटिस जारी किये। ऑनलाइन सट्टेबाजी एप्लिकेशन फर्म एम/एस पोबो मीडिया टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड का उल्लेख किया गया था।

नोटिस में कंपनी पर अपनी सेवाओं को गलत तरीके से वर्गीकृत करने का आरोप लगाया गया है। इसमें कहा गया है कि दांव के अंकित मूल्य पर जीएसटी १००% लागू होता है और सट्टेबाजी या जुए से जीत पर कर की दर २८% है। हालाँकि, फर्म ने केवल १८% का भुगतान किया और १,५०० करोड़ रुपये की कर चोरी की। जुलाई २०२२ में, मुंबई पुलिस ने प्रोबो के खिलाफ एक एफआईआर दर्ज की, जब यह पता चला कि ऐप गेमिंग भविष्यवाणियों के नाम पर जुए के दांव की पेशकश कर रहा था।

सरोज जैन ने कहा कि मेरा बेटा प्रोबो पर एक गेम खेल रहा है, जिसमें कुछ रुपये लगाने पर छूट दी जा रही है। इतना ही नहीं, उसने अचानक एक रकम अंदर डाल दी और बाद में एकमुश्त १ लाख रुपये लेकर भाग गया। इस वक्त उन्हें एहसास हुआ कि यह कोई गेमिंग ऐप नहीं बल्कि सट्टेबाजी ऐप है।

जो हरसंभव मदद करता था उसी की 12 साल की बेटी की पड़ौसी ने हत्या कर दी

जामनगर (ईएमएस) शहर के बेडी क्षेत्र में एक शख्स ने पड़ौस में रहनेवाली 12 वर्षीय किशोरी की तीक्ष्ण हथियार से गोदकर हत्या कर दी। हैरान करनेवाली बात यह है कि किशोरी के पिता ने हत्यारे को अपने पड़ौस में किराये पर मकान दिलवाया था और अपने यहां मुफ्त में भोजन देता था। मृतका के परिवार ने आरोपी को गिरफ्तार कर कड़ी कार्यवाही की मांग की है। जानकारी के मुताबिक जामनगर के बेडी क्षेत्र के राजपार्क में रहनेवाले राजेश कारावदरा ट्रक ड्राइवर हैं। राजेश कारावदरा की कैलाश पंडया नामक शख्स से दोस्ती हैं। अपने दोस्त की मदद के लिए राजेश ने कैलाश को अपने घर के बगल में किराये पर मकान दिलवाया था और भोजन अपने यहां करवाता था। हांलाकि कुछ समय बाद कैलाश के बदले व्यवहार के चलते राजेश ने उसे अपने घर आने से मना कर दिया। जिसके बाद कैलाश का भोजन उसके घर पर भेज दिया जाता। राजेश की 12 साल की बेटी कैलाश की मदद के उद्देश्य से उसके घर की साफ-सफाई कर देती। रोज की भांति साफ-सफाई करने पहुंची राजेश की बेटी पर कैलाश ने तीक्ष्ण हथियार से हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। बेटी की हत्या से राजेश समेत परिवार में जबर्दस्त आक्रोश है।

झालोद के पार्षद हिरेन पटेल की हत्या केस में इंदौर से एक और आरोपी गिरफ्तार

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात एटीएस ने दाहोद जिले के झालोद के नगर पार्षद हिरेन पटेल की हत्या के मामले में एक और आरोपी को मध्य प्रदेश के इंदौर से गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में अब तक 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। बता दें कि झालोद के पार्षद हिरेन पटेल की गत 27 सितंबर 2020 को जीप से टक्कर मारकर हत्या की गई थी। इस बीच गुजरात एटीएस को सूचना मिली कि हिरेन पटेल हत्या केस में संलिप्त मध्य प्रदेश के उज्जैन के महीदपुर निवासी मोहमद इरफान उर्फ इरफान बिस्ती मोहमद फिलहाल इंदौर में छिपा हुआ है। सूचना के आधार पर गुजरात एटीएस ने मध्य प्रदेश पुलिस की मदद से हत्या के आरोपी मोहमद इरफान बिस्ती को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में मोहमद इरफान ने हिरेन पटेल की हत्या की साजिश में संलिप्त होना कबूल किया है। जांच में खुलासा हुआ कि मोहमद इरफान, आरोपी मोहमद मुजावर, सज्जनसिंह चौहाण समेत अन्य आरोपी हिरेन पटेल की हत्या की घटना को अंजाम देने इंदौर से झालोद आए थे। जिसके बाद पूर्व नियोजित साजिश के तहत हिरेन पटेल की हत्या कर दी और मामला दर्ज होने के बाद सभी आरोपी फरार हो गए थे। हांलाकि हत्या के इस मामले में एक के बाद एक अब तक 8 आरोपियों को गुजरात पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है।

पिछले सप्ताह हुई 49 लाख के लूट के मामले में 7 आरोपी गिरफ्तार, लूट का माल भी बरामद

साबरकांठा (ईएमएस) जिले के हिम्मतनगर शहर में पिछले सप्ताह हुई रु. 49 लाख के लूट के मामले में पुलिस ने 7 आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ ही लूट का माल भी बरामद कर लिया है। चार आरोपियों को साबरकांठा पुलिस ने और तीन आरोपियों को बनासकांठा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक गत 12 मार्च की सुबह साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर शहर के बस अड्डे के निकट अज्ञात शख्सों ने आंगडियाकर्मी से रु. 49 लाख से अधिक के सोने-चांदी के आभूषण इत्यादि लूट चलाकर फरार हो गए थे। पुलिस ने अज्ञात लुटेरों को खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी। इस बीच बनासकांठा एलसीबी ने सिहोरी थानान्तर्गत क्षेत्र से गत 15 मार्च को तीन आरोपियों गिरफ्तार कर लूट को अंजाम देने में उपयोग की गई कार जब्त कर ली।

हनीट्रेप में फंसे लेबर कोन्ट्रेक्टर ने गंवाए 23.50 लाख, अज्ञात युवती समेत 5 लोगों के खिलाफ केस दर्ज

राजकोट (ईएमएस) मोरबी में रहनेवाले एक लेबर कोन्ट्रेक्टर को हनीट्रेप में फांसकर युवती समेत 5 लोगों ने रु. 23.50 लाख ऐंठ लिए। बदनाम होने के डर से लेबर कोन्ट्रेक्टर कुछ दिन खामोश रहा और बाद में अपने भाई कहने पर पुलिस थाने में युवती समेत अज्ञात लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक मोरबी में रहनेवाले 50 वर्षीय भरत कारोलिया लेबर कोन्ट्रेक्टर हैं, जिनके मोबाइल पर करीब एक महीने पहले अंजान नंबर से फोन आया था, जिसमें सामने से सवाल किया कि शारदाबेन हैं? भरत कारोलिया ने रोंग नंबर कहकर फोन काट दिया। दूसरे दिन उसी नंबर से दोबारा फोन आया और सामने मौजूद युवती ने फोन ना काटने का अनुरोध किया। जिससे भरत ने मोबाइल पर उससे बातचीत की, जो करीब 10 मिनट तक चली। जिसमें युवती ने बताया कि वह सुलतानपुर में रहती हैं। जिसके बाद दोनों के बीच हर दिन 10 से 15 मिनट बातचीत होने लगी। भरत कारोलिया युवती पर अपना दिल हार गये और उससे प्यार करने लगे। गत 4 मार्च को युवती ने भरत कारोलिया को राजकोट के खोडलधाम में मिलने को बुलाया। भरत अपनी आई-20 कार लेकर खोडलधाम पहुंचे जहां युवती उनकी कार में सवार हो गई। कुछ दूर जाकर युवती ने कार रुकवा दी और कार की पिछली सीट पर चली गई। भरत कारोलिया को भी कार की पिछली सीट पर बुला लिया। भरत कारोलिया के पिछली सीट पर पहुंचते ही युवती अपने कपड़े उतारने लगे। उसी वक्त मोटर साइकिल पर 4 अज्ञात शख्स वहां पहुंच गए और भरत कारोलिया से मारपीट करने लगे। एक शख्स ने कहा कि युवती मेरी भांजी है और वह तीन दिन से लापता है। शख्स ने भरत कारोलिया से कहा कि वह 35 लाख रुपए दे वर्ना उसे दुष्कर्म के केस में फंसा दूंगा। धमकी घबराए भरत ने अपने परिजनों समेत अन्य लोगों से रु. 23.50 लाख जितनी रकम लेकर अज्ञात शख्सों को सौंप दी। रुपए मिलते ही युवती समेत अज्ञात लोग फरार हो गए। बदनामी के डर से भरत कारोलिया ने किसी से घटना का जिक्र तक नहीं किया। बाद में अपने भाई को जब घटना के बारे में बताया उसने भरत को अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाने की सलाह दी। भरत कारोलिया की शिकायत के आधार पर सुलतानपुर पुलिस ने आईपीसी की दफा 120बी, 388, 342, 323, 504, 506(2) के तहत युवती समेत 5 लोगों के खिलाफ के दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है।

गुजरात में विधानसभा की इन दो सीटों पर कांग्रेस और आप के बीच गठबंधन संभव

अहमदाबाद (ईएमएस) देश में आम चुनाव के साथ ही विभिन्न राज्यों की 26 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा हो चुकी है। इन 26 सीटों में से 5 सीटें गुजरात की हैं, जिसमें विजापुर, खंभात, वाघोडिया, और पोरबंदर शामिल हैं। विसावदर विधानसभा सीट भी रिक्त है और इसका मामला अदालत में विचाराधीन होने के कारण उपचुनाव का ऐलान नहीं किया गया। गुजरात में लोकसभा की 26 में से 2 सीटों पर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच गठबंधन हो गया है। भावनगर और भरूच लोकसभा सीट से आप चुनाव लड़ेगी। जबकि अन्य 24 सीटों पर कांग्रेस अपने उम्मीदवार लड़ाएगी। जानकारी है कि राज्य की विधानसभा सीटों पर होनेवाले चुनाव भी कांग्रेस और आप मिलकर लड़ेंगे। इस संदर्भ में कांग्रेस और आप के बीच बैठक भी हुई है। सूत्रों के मुताबिक आप ने 5 में से वाघोडिया और माणावतर समेत 2 सीटें मांगी हैं। अगले दो दिनों के भीतर इन सीटों पर कांग्रेस और आप के बीच गठबंधन हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक आप ने गुजरात में लोकसभा की और 2 सीटों की डिमांड की है।

राजकोट में एक नपुंसक पति ने अपनी पत्नी से कहा

मेरे भाई और पिता तुम्हें शारीरिक सुख देंगे

राजकोट, २० मार्च ।

शहर में एक हैरान कर देने वाला और अजीबो गरीब मामला सामने आया है। उसके पति, ससुर, सास और राजकोट में ससुराल में रहने वाली २५ वर्षीय परनीता कामिनी (बदला हुआ नाम) के खिलाफ आईपीसी ४९८(६), ४०६, ४२०, ११४ के तहत मामला दर्ज किया गया है।। उसके पति ने यह बात छुपायी कि वह नपुंसक है।

वहीं, पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है कि शादीशुदा जिंदगी के दौरान शारीरिक और मानसिक यातनाएं और छोटी-छोटी बातों पर झगड़े होते थे। पुलिस को दी शिकायत में शिकायतकर्ता कामिनी ने कहा है कि वह फिलहाल अपने रिश्तेदार के घर पर रह रही है। कामिनी की शादी ३० नवंबर २०२१ को जातीय रीति-रिवाज से हुई। सुहागरात के पति का किसी भी तरह का शारीरिक संबंध नहीं था।

साथ ही उसके बाद भी वह तरह-तरह के बहाने दिखाकर समय गुजारता था जैसे कि यह माताजी और भगवान की बाधा हो। साथ ही शादी के पांच-सात दिन बाद कामिनी को अपने पति पर शक हो गया क्योंकि वह शारीरिक संबंध नहीं बनाता था। इसलिए जब उसने अपने पति से पूछा तो उसने कहा, मैं शादी नहीं करना चाहता। मैं नपुंसक हूं। मैं कोई शारीरिक संबंध नहीं बना सकता। साथ ही अगर तुमने यह बात किसी को बताई तो मैं आत्महत्या कर लूंगा और सुसाइड नोट में तुम्हारा और तुम्हारे माता-पिता का नाम लिख दूंगा। इस तरह की धमकी दी गई। पति द्वारा शारीरिक सुख न दे पाने के कारण दवा लेने के लिए कहने पर वह बोली, मैंने पहले भी दवा ली है लेकिन कोई फर्क नहीं पड़ता। हालाँकि, यदि आप शारीरिक सुख चाहते हैं, तो मेरा भाई और मेरे पिता आपको शारीरिक सुख देंगे। इस संबंध में कामिनी ने शिकायत में कहा है कि उसके ससुर और बहू ने भी इशारों-इशारों में मारपीट की है। पूरे मामले में कामिनी ने अपने पति की बीमारी को लेकर डॉक्टर से इलाज भी कराया।

गुजरात में सावली से बीजेपी के रूरू केतन इनामदार ने दिया इस्तीफा

वडोदरा लोकसभा सीट पर मौजूदा सांसद को रिपीट किए जाने की बीच मचे घमासान अब सावली से बीजेपी के विधायक केतन इनामदार ने इस्तीफा दे दिया है।

अहमदाबाद, २० मार्च ।

गुजरात की वडोदरा सीट से मौजदा सांसद रंजनबेन भट्ट को तीसरी बार टिकट दिए जाने पर जहां बीजेपी में आंतरिक विरोध सामने आ रहा है, तो इस सब से बीच इसी लोकसभा क्षेत्र की सावली से पार्टी के विधायक केतन इनामदार ने इस्तीफा दे दिया है। इनामदार ने अपना इस्तीफा ईमेल के जरिए भेजा है। केतन इनामदार वडोदरा को वडोदरा की सांसद रंजन बेन भट्ट का करीबी माना जाता है। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि उनका इस्तीफा प्रेशर पॉलिटिक्स का हिस्सा हो सकता है।

केतन कई बार पहले भी पार्टी पर दवाब बनाने के इस्तीफे की पेशकश कर चुके हैं। राजनीतिक हलकों में केतन के इस्तीफे के पीछे कुलदीप राउलजी को भी वजह बताया जा रहा है। कुलदीप राउलजी कांग्रेस से केतन के सामने लड़े थे। चुनावों के बाद वे बीजेपी में शामिल हो गए थे। कहा जा रहा है कि लोकसभा चुनावों में उन्हें अहम जिम्मेदारी दिए जाने के कारण केतन ने नाराजगी व्यक्त की है। केतन के इस्तीफे के संगठन के कुछ पदाधिकारियों ने भी अपना इस्तीफा दिया है। सावली विधानसभा वडोदरा जिले का हिस्सा है।

बीजेपी ने वडोदरा से रंजनबेन भट्ट को तीसरी बात टिकट दिया है। रंजनबेन को तीसरी बार टिकट मिलने पर वडोदरा की पूर्व मेयर डॉ. ज्योतिबेन पंड्या ने मोर्चा खोलते हुए इसका विरोध किया था। पार्टी ने पंड्या की नाराजगी को भांपते हुए उन्हें उनकी प्रेस कांफ्रेंस से पहले सस्पेंड कर दिया था। पंड्या के बाद बीजेपी से छह बार विधायक रह चुके मधु श्रीवास्तव भी रंजनबेन भट्ट का विरोध करने का ऐलान कर चुके हैं। ऐसे में अचानक केतन इनामदार का इस्तीफा सामने आया है। वे २०२२ में तीसरी बार सावली से चुने गए थे। केतन इनामदार २०१२०में निर्दलीय जीतने के बाद बीजेपी में आए थे। इसके बाद उन्होंने २०१७ और फिर २०२२ का चुनाव बीजेपी के सिंबल पर लड़ा था।

सावली के बाहुबली विधायक केतन इनामदार ने अपने इस्तीफे में वजह का खुलासा नहीं किया है। अंतरात्मा की आवाज पर इस्तीफा देने की बात लिखी है। विधानसभा अध्यक्ष ने अभी उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है। राजनीतिक हलकों में ये चर्चा सामने आई थी कि बीजेपी वडोदरा में रंजन बेन भट्ट के विरोध के बात पुनर्विचार कर रही और पार्टी नए निर्विवादित चेहरे को मौका दे सकती है। १८ मार्च को दिल्ली में राज्य की बाकी चार लोक सभा सीटों के लिए चर्चा भी हुई थी। इसी बीच केतन इनामदार का इस्तीफा सामने आया है। चर्चा है कि टिकट बदलने की अटकलों के बीच उन्होंने अपनी नाराजगी जाहिर की है। गुजरात विधानसभा के सचिव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उन्हें केतन इमनादार का इस्तीफा प्राप्त नहीं हुआ, तो वहीं दूसरी विधानसभा अध्यक्ष शंकर चौधरी अपने विधानसभा क्षेत्र के प्रवास पर हैं। जानकारों की मानें तो केतन इनामदार अगर वाकई में विधानसभा की सदस्यता छोड़ना चाहते हैं तो उन्हें विधानसभा अध्यक्ष से सामने जाकर ही इस्तीफा देना होगा। ऐसे में विधायक के इस्तीफे को प्रेशर पॉलिटिक्स का हिस्सा माना जा रहा है।

भरुच सीट से आप उम्मीदवार नर्मदा जिले में प्रवेश के लिए हाईकोर्ट का द्वार खटखटाएंगे

अहमदाबाद (ईएमएस) आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवार चैतर वसावा के नर्मदा जिले में प्रवेश पर रोक है और इसमें राहत पाने के लिए वह गुजरात हाईकोर्ट जाने की तैयारी कर रहे हैं। दरअसल वनकर्मियों के साथ मारपीट के मामले में चैतर वसावा जमानत पर हैं। सेशन्स कोर्ट ने चैतर वसावा को जिन शर्तो पर जमानत दी है, उसमें एक शर्त नर्मदा जिले में प्रवेश पर रोक है। ऐसे में चैतर वसावा नर्मदा जिले में प्रवेश नहीं कर सकते, जबकि उन्हें चुनाव प्रचार के लिए जाना पड़ेगा। नर्मदा जिले में प्रचार के लिए कोर्ट से मंजूरी लेना अनिवार्य है और इसके लिए चैतर वसावा गुजरात हाईकोर्ट जाने की तैयारी में हैं।

एचडीएफसी बैंक ने धोखाधड़ी के बारे में पुलिस अधिकारियों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया

वडोदरा रेंज के साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में पुलिस अधिकारियों को सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग के बारे में जानकारी दी गई।

वडोदरा, 19 मार्च, 2024: एचडीएफसी बैंक ने अपने डिजिटल बैंकिंग जागरूकता अभियान के तहत वडोदरा में साइबर अपराध पुलिस स्टेशन के लिए सुरक्षित बैंकिंग पर एक कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला को आयोजित करने के पीछे का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों को सुरक्षित बैंकिंग प्रथाओं के संबंध में आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करना था।

एचडीएफसी बैंक ने वडोदरा रेंज के साइबर अपराध पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी जागरूकता कार्यशाला आयोजित की। इस इंटरैक्टिव सत्र के माध्यम से साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन, वडोदरा रेंज के पुलिस कर्मियों ने सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग लेनदेन के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त की।

इस पर टिप्पणी करते हुए, एचडीएफसी बैंक के कार्यकारी उपाध्यक्ष, क्रेडिट इंटेलिजेंस एंड कंट्रोल, श्री मनीष अग्रवाल ने कहा कि अब जब बैंक तेजी से डिजिटल होते जा रहे हैं, तो अपराधी भी ग्राहकों को धोखा देने के नए तरीके खोज रहे हैं। इसलिए उनमें जागरूकता पैदा करना बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है, ताकि वे अपना गोपनीय बैंकिंग डेटा किसी के साथ साझा न करें या अनधिकृत लिंक पर क्लिक न करें।

नहीं इस प्रकार की धोखाधड़ी को रोकने के लिए पुलिस अधिकारियों को आवश्यक ज्ञान और उपकरण प्रदान करना हमारे समाज की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। यह कार्यशाला वडोदरा में हमारे पुलिस बल की क्षमताओं को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।'

जागरूकता सत्र का उद्देश्य प्रतिभागियों को धोखाधड़ी के विभिन्न तौर-तरीकों और सुरक्षित बैंकिंग प्रथाओं के बारे में सूचित करना था, जिनका उन्हें खुद को ऐसे ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार होने से बचाने के लिए पालन करना चाहिए। चालू वित्तीय वर्ष (2023-2024) में, एचडीएफसी बैंक ने देश भर में 3,980 ऐसे सत्र आयोजित किए और बैंक समाज के विभिन्न वर्गों को कवर करते हुए 42,000 से अधिक प्रतिभागियों तक पहुंचा। कार्यशाला का उद्देश्य स्कूलों, कॉलेजों, उपभोक्ताओं, कानून प्रवर्तन एजेंसियों, वरिष्ठ नागरिकों, स्वयं सहायता समूहों, शैक्षणिक संस्थानों, विक्रेताओं, भागीदारों और कर्मचारियों पर है। यह जागरूकता पैदा करने के लिए था. बैंक अपने ग्राहकों के प्रति जागरूक रहें और डिजिटल लेनदेन करते समय सुरक्षित बैंकिंग आदतें अपनाएं और अपनी गोपनीय बैंकिंग जानकारी किसी के साथ साझा न करने के लिए प्रोत्साहित करें। अगर कोई ग्राहक आता धोखाधड़ी के शिकार लोगों को तुरंत अपने बैंक की संबंधित शाखा और 1930 पर संपर्क करना चाहिए (नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल के हेल्पलाइन नंबर) पर कॉल करना चाहिए।

रियलमी ने कम रोशनी में फोटोग्राफी के मानकों को बदलते हुए 18,999 रुपये की शुरुआती कीमत में रियलमी नार्ज़ो 70 प्रो 5जी पेश किया

नई दिल्ली, 19 मार्च, 2023: भारत में सबसे विश्वसनीय स्मार्टफोन सेवा प्रदाता, रियलमी ने अपने अपनी नार्ज़ो सीरीज में नया स्मार्टफ़ोन - रियलमी नार्ज़ो 70 प्रो 5जी पेश किया है। रियलमी की नार्ज़ो सीरीज में यूज़र्स को बेहतरीन अनुभव प्रदान करने के लिए स्मार्टफोन की एक स्टाइलिश श्रृंखला आती है। भारत में लगातार बढ़ते हुए 16 मिलियन यूज़र्स के साथ रियलमी की नार्ज़ो सीरीज अगली पीढ़ी के स्मार्टफ़ोन पेश करती है। इन डिवाइसेज को आधुनिक टेक्नोलॉजी और प्रीमियम फ़ीचर्स के साथ डिज़ाइन किया गया है ताकि यूज़र्स शिखर पर रहते हुए अपने व्यक्तित्व का प्रदर्शन कर सकें। नए रियलमी नार्ज़ो 70 प्रो 5जी का उद्देश्य लो-लाइट फोटोग्राफी में नए मानक स्थापित करना और इनोवेशन एवं उत्कृष्टता की रियलमी की प्रतिबद्धता को मजबूत करना है।

रियलमी और अमेज़न ने ग्राहकों को रियलमी की नार्ज़ो श्रृंखला के साथ खरीदारी का शानदार अनुभव प्रदान करने के लिए रणनीतिक सहयोग किया है। रियलमी की नार्ज़ो सीरीज केवल अमेज़न.इन पर उपलब्ध है और अपने यूज़र्स को आधुनिक टेक्नोलॉजी प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। अपनी डयुअल प्लेटफ़ॉर्म की रणनीति के अनुरूप, रियलमी ने मार्च 2023 में अमेज़न पर अपना पहला ऑनलाइन स्टोर लॉन्च किया।

रियलमी नार्ज़ो 70 प्रो 5जी एक पॉवर-पैक्ड स्मार्टफोन है जिसमें

स्मार्टफोन का अनुभव बेहतर बनाने के लिए शानदार फ़ीचर्स दिए गए हैं। इसमें बेहतरीन, ब्लर-फ्री फोटो लेने के लिए ऑप्टिकल इमेज स्टेबिलाइज़ेशन (ओआईएस) के साथ भारत का पहला 50 मेगापिक्सल सोनी आईएमएक्स890 कैमरा दिया गया है। होराइजन ग्लास डिज़ाइन इस स्मार्टफोन का आकर्षण बढ़ाता है, और 120हट्र्ज़ का अल्ट्रा-स्मूथ एमोलेड डिस्प्ले जीवंत कलर्स और डीप ब्लैक प्रदान करता है। इसमें मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7050 5जी चिपसेट लगा है, इसलिए यह बहुत तेज़ परफ़ॉर्मेंस प्रदान करता है। तेज इंटरनेट स्पीड के लिए इसमें 5जी कनेक्टिविटी है। रियलमी नार्ज़ो 70 प्रो में सेगमेंट का पहला एयर जेस्चर कंट्रोल है, जिसकी मदद से आप स्क्रीन को स्पर्श किए बिना ही विभिन्न कार्य कर सकते हैं। भारी उपयोग के दौरान भी बेहतरीन परफ़ॉर्मेंस के लिए इसमें 3डी वीसी कूलिंग सिस्टम दिया गया है जो उत्पन्न हीट को प्रभावी ढंग से वितरित कर देता है। इस स्मार्टफोन में 5000 एमएएच की शक्तिशाली बैटरी है। तीव्र चार्जिंग के लिए इसमें 67वॉट की सुपरवूक चार्जिंग टेक्नोलॉजी दी गई है। इस स्मार्टफ़ोन में एंड्रॉयड14 पर आधारित रियलमी यूआई 5.0 ज़्यादा उपयोगिता के लिए अनेक कस्टमाइज़ेशन विकल्पों एवं फ़ीचर्स के साथ एक सुगम और सहज यूज़र इंटरफ़ेस प्रदान करता है। रियलमी नार्ज़ो 70 प्रो 5जी दो आकर्षक रंगों ग्लास ग्रीन और ग्लास गोल्ड एवं दो स्टोरेज वैरिएंटः 8जीबी+128जीबी, 19,999 रुपये में और 8जीबी+256जीबी, 21,999 रुपये में उपलब्ध है।

इस लॉन्च के बारे में रियलमी के प्रवक्ता ने कहा, ''आज हम केवल अमेज़न पर रियलमी नार्ज़ो 70 प्रो 5जी पेश करके उत्साहित हैं। यह एक ऐसा स्मार्टफोन है, जो स्मार्टफोन उद्योग में लो-लाइट फोटोग्राफी के मानकों को बदल देगा। रियलमी का नार्ज़ो सीमाओं को आगे बढ़ाने और ऐसे उत्पाद पेश करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो युवा और तकनीक-प्रेमी ग्राहकों की रुचि के अनुरूप है।

इस लॉन्च के बारे में अमेज़न इंडिया के डायरेक्टर, वायरलेस और होम एंटरटेनमेंट, रंजीत बाबू ने कहा, ''नार्ज़ो सीरीज़ को ग्राहकों ने शक्तिशाली परफ़ॉर्मेंस, डिज़ाइन और वैल्यू फॉर मनी के लिए अमेज़न.इन पर काफी ऊँची रेटिंग दी है। हम नार्ज़ो 70 प्रो के लॉन्च के लिए पूरी रियलमी टीम को बधाई देते हैं। यह एक ऐसा स्मार्टफोन है, जो अपने अत्याधुनिक कैमरे और बेहतरीन ग्लास डिज़ाइन के साथ सेगमेंट में नए मानक स्थापित कर देगा।

पश्चिम रेलवे - भावनगर मण्डल

ICF कोचेज का NMGHS कोचेज में परिवर्तन करने का कार्य

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से उप-मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, सवारी डिब्बा मरम्मत कारख़ाना, भावनगर परा, वर्कशॉप, पश्चिम रेलवे निम्न कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **ई-निविदा सं.: BVPW-2023-24-RSP-01-R, कार्य का नाम:** भावनगर कारखाना अंतर्गत कार्य की व्यापकता अनुसार 12 माह के लिये ICF कोचेज का NMGHS कोचेज में परिवर्तन करने का कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 8,59,81,867.61/- **बयाना राशि:** ₹ 5,79,900/- **निविदा दस्तावेज शुल्क:** ₹ 0.00/- **निविदा प्रस्ताव की वैधता :** 60 दिन, **कार्य पूर्ण करने की अवधि :** स्विकृति पत्र जारी करने की दिनांक से 12 महिने, **निविदा जमा करने की अंतिम तारीख एवं समय और खुलने की तारीख एवं समय:** दिनांक 05/04/2024 को 15:00 बजे एवं दिनांक 05/04/2024 को 15:30 बजे, **जारीकर्ता :** उप मुख्य यांत्रिक इंजीनीयर, मुख्य कारख़ाना प्रबंधक कार्यालय, सवारी डिब्बा मरम्मत कारख़ाना, भावनगर परा, पश्चिम रेलवे, **महत्वपूर्ण लेख:** निविदा केवल इलेक्ट्रॉनिक रुप से https://www.ireps.gov.in पर जमा की जाएगी और इस ई-निविदा के खिलाफ कोई मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है और इस कार्यालय में प्राप्त किसी भी मैनुअल प्रस्ताव को अनदेखा किया जाएगा और खोला नहीं जाएगा। BVP-188

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96